सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गांगुली एशिया कप में पाकिस्तान के साथ मैच खेले जाने के समर्थन में उतर -पेज: 7

रश्मिका ने डियर डायरी परफ्यूम लॉन्च को बताया ह्श्वयार और जादू का संगम -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 110 | मंगलवार 29 जुलाई 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

अब हमने सुदर्शन चक्र उठा लिया है, ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में गरजे राजनाथ सिंह; विपक्ष को दिया करारा जवाब

संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस शुरू हो गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में बताया कि यह सैन्य कार्रवाई 6 और 7 मई 2025 को की गई थी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति का निर्णायक प्रदर्शन था।

नई दिल्ली (एजेंसी): सरहद पार दुश्मन की रूह कंपाने के बाद ऑपरेशन सिंदूर की गूंज आज देश की संसद में सुनाई दे रही है। संसद के मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की शुरूआत हो चुकी है। सरकार की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोर्चा संभालते हुए ऑपरेशन सिंदूर की बहस का आगाज किया। रक्षा मंत्री ने सदन के पटल पर आंकड़ों के साथ ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े विपक्ष के हर सवाल का जवाब दिया है।ऑपरेशन सिंदूर पर बात करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, "शठे शाठ्यं समाचरेत...हमने भगवान कृष्ण से सीखा है कि आखिर में अगर धर्म को बचाने के लिए सुदर्शन चक्र भी उठाना पड़ता है। हमने 2006 में संसद भवन पर हमला, 2008 में मुंबई हमले देखे। लेकिन, अब बस बहुत हो गया। अब हमने सुदर्शन चक्र उठा लिया है।" ऑपरेशन सिंदूर कब शुरू हुआ? रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में बताय कि 6 और 7 मई 2025 को, भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम से एक ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया। यह ऑपरेशन देश के नागरिकों के प्रति हमारी जिम्मेदारी और आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति का एक प्रभावी और निर्णायक प्रदर्शन था ऑपरेशन सिंदूर की तैयारी कैसे की गई? रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने से पहले सेना ने सभी पहलुओं को गहराई से समझा। हमारे पास कई विकल्प थे। मगर, हमने आतंकवादियों और उनके ठिकानों को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने का रास्ता चुना। ऑपरेशन सिंदूर में कितने आंतकी मारे गए? रक्षा मंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के तहत 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किया गया। इस कार्रवाई में 100 से ज्यादा आतंवादी और उनके हैंडलर मारे गए। इनमें से अधिकांश जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों से संबंधित थे। ये वही आतंकी संगठन हैं, जिन्हें पाकिस्तान की सेना और क्रूक का खुला समर्थन प्राप्त है। पाकिस्तान ने भारत पर कैसे हमला किया? रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, 10 मई 2025 को रात लगभग 1 बजकर 30 मिनट पर पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर भारत के ऊपर मिसाइल, ड्रोन, रॉकेट और अन्य लंबी दूरी वाले हथियारों का इस्तेमाल किया। इसके साथ-साथ उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर से जुड़ी तकनीकी का भी सहारा लिया गया। पाकिस्तान के हमले में भारत को कितना नुकसान हुआ? रक्षा मंत्री के अनुसार, हमारे एअर डिफेंस सिस्टम, काउंटर ड्रोन सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों ने पाकिस्तान के हर हमले को नाकाम कर दिया। पाकिस्तान हमारे किसी भी लक्ष्य को हिट नहीं कर पाया और हमारे किसी भी अहम चीज को नुकसान नहीं हुआ। सेना ने दुश्मन के मंसूबों पर पानी फेर दिया। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को कितनी चोट पहुंचाई? रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अनुसार, इस ऑपरेशन के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान के हवाई अड्डों, कमांड और कंट्रोल सेंटर्स, सैन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर, एअर डिफेंस सिस्टम समेत कई चीजों को नुकसान पहुंचाया गया। ऑपरेशन सिंदूर क्यों रोका गया? रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर का मकसद आतंकी कैंप, उनके सहयोगियों को नेस्तनाबुत करना था। इसके जरिए भारत ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस का संदेश दिया है। भारत ने कार्रवाई इसलिए रोकी, क्योंकि हमने जो भी लक्ष्य निर्धारित किए थे, उन्हें हासिल कर लिया गया था। यह ऑपरेशन किसी के दबाव में नहीं रोका गया।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर पर ममता की शर्त : लोगों को परेशान किया गया, तो नहीं मिलेगी मंजूरी

पश्चिम बंगाल (एजेंसी): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। बीरभूम जिले के बोलपुर में आयोजित एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह सिर्फ धार्मिक अल्पसंख्यकों ही नहीं, बल्कि गरीबों और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) को भी निशाना बना रही है। बनर्जी ने यह भी घोषणा की कि अन्य राज्यों से लौटे उत्पीड़ित बंगाली प्रवासियों की सहायता के लिए एक समर्पित योजना शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा, योजना में उन्हें सुरक्षित लौटने में मदद करने, राशन और नौकरी का कार्ड जारी करने और उन लोगों को अस्थायी आश्रय प्रदान करने के प्रावधान शामिल होने चाहिए, जिनके पास रहने के लिए कोई जगह नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासियों का कथित उत्पीड़न एक सोचा-समझा और राजनीति से प्रेरित कृत्य है। हमें सभी उत्पीड़ित बंगाली प्रवासियों के साथ खड़ा होना

लोकतंत्र पर वार एसआईआर के खिलाफ विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन; खड़गे, राहुल, सोनिया और अखिलेश भी हुए शामिल

प्रदर्शन में असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई और सीपीआई (एमएल) (लिबरेशन) सांसद राजा राम सिंह कुशवाहा भी मौजूद थे

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव सहित इंडिया ब्लॉक के प्रमुख नेता सोमवार को मतदाता सूची के विवादास्पद विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर संसद के मकर द्वार के बाहर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन में सभी विपक्षी दलों ने भाग लिया, नेताओं ने लोकतंत्र पर वार लिखे बैनर और "स्टॉप सर" लिखी तख्तियां पकड़ी हुई थीं, जिसमें सरकार पर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाया गया। प्रदर्शन में असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई और सीपीआई (एमएल) (लिबरेशन) सांसद राजा राम सिंह कुशवाहा भी मौजूद थे, जो एसआईआर के कथित विस्तार पर व्यापक चिंता को दर्शाता है। इस बीच, संसद के चल रहे मानसून सत्र में अपनी ताकत दिखाने के लिए, भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल सभी सहयोगी दलों के सांसदों को बुलाया है। भाजपा ने अनुरोध किया था कि सभी एनडीए सांसद आज सुबह 10:00 बजे संसद के मकर द्वार पर उपस्थित रहें। लोकसभा में पहलगाम आतंकी हमले पर भारत की सैन्य प्रतिक्रिया ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा होने वाली है। संसद में पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष के शीर्ष नेताओं के बीच तीखी बहस होने की उम्मीद है। सोमवार की लोकसभा की कार्यसूची में लिखा है, "पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के सशक्त, सफल और निर्णायक ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा"।

पहले सुरजेवाला ने की समीक्षा, अब कांग्रेस विधायकों के साथ चार दिवसीय बैठक करेंगे सीएम सिद्धारमैया

कर्नाटक (एजेंसी): कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया 29 जुलाई से कांग्रेस विधायकों के साथ चार दिवसीय मैराथन बैठकों की श्रृंखला शुरू करेंगे। ये बैठकें एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा सत्र के तुरंत बाद हो रही हैं, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने शिकायतों को सुनने और विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए ज़िलेवार एक कड़ा कार्यक्रम तैयार किया है। ये बैठकें अगले चार दिनों तक चलेंगी, जिसमें सिद्धारमैया विधायकों की संख्या के आधार पर प्रत्येक ज़िले के लिए 30 मिनट से एक घंटे तक का समय आवंटित करेंगे। सिद्धारमैया छह जिलों, मैसूर, चामराजनगर, तुमकुरु, कोडागु, हासन और दक्षिण कन्नड़ के विधायकों और उनके संबंधित जिला प्रभारी मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। सिद्धारमैया के गृह जिले मैसूर के विधायकों के साथ बैठकें शाम 5 बजे शुरू होंगी। इस सत्र में मैसूर जिला प्रभारी मंत्री एचसी महादेवप्पा, पशुपालन एवं रेशम उत्पादन मंत्री के वेंकटेश, और विधायक रविशंकर डी, अनिल चिक्कमदु, दर्शन ध्रुवनारायण, के हरीश गौड़ा और तनवीर सैत शामिल होंगे। इसके बाद, शाम 5:00 बजे से 5:30 बजे तक, मुख्यमंत्री चामराजनगर के विधायकों, जिनमें एआर कृष्णमूर्ति, सी पुट्टारंगशेट्टी और एचएम गणेश प्रसाद शामिल हैं। साथ-साथ जिला प्रभारी मंत्री के वेंकटेश से भी मिलेंगे। तुमकुरु सत्र शाम 5:30 बजे से 6:45 बजे तक निर्धारित है। इसमें गृह मंत्री और तुमकुरु जिला प्रभारी मंत्री जी परमेश्वर, सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना और विधायक टीबी जयचंद्र, के शदाक्षरी, एचडी रंगनाथ, एसआर श्रीनिवास (वासु) और एचवी वेंकटेश शामिल होंगे। दिन का अंतिम सत्र, शाम 6.45 बजे से शाम 7.45 बजे तक, कोडागु, हसन और दक्षिण कन्नड़ जिलों को कवर करेगा। कोडागु का प्रतिनिधित्व जिला प्रभारी मंत्री एनएस बोसराजू और मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार एएस पोन्नाना के साथ डॉ. मंथर गौड़ा करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर पर बहस से पहले थरूर ने लिया चौंकाने वाला फैसला, अब कौन बनेगा विपक्ष की आवाज?

नई दिल्ली (एजेंसी): ऑपरेशन सिंदूर को लेकर आज संसद में बड़ी बहस छिड़ने वाली है। विपक्ष के कई सांसद ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार से सवाल पूछने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने खुद को इस बहस से अलग कर लिया है। आरोप-प्रत्यारोप के इस सिलसिले में शशि थरूर शामिल नहीं होंगे। संसद के मानसून सत्र में आज पहली बार ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे की लंबी बहस चलेगी। इसे लेकर सियासी गलियारों में पहले से ही गर्मागर्मी का माहौल है। वहीं, अब सवाल पूछने वालों की फेहरिस्त में शशि थरूर की गैरमौजूदगी पर सवाल उठने लगे हैं। प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे थरूर 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इस दौरान न सिर्फ पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह किया गया था बल्कि पाक सेना पर पलटवार करते हुए कई एअरबेस पर भी मिसाइलें दागी गईं थीं। इस ऑपरेशन के बाद भारत सरकार ने प्रतिनिधिमंडल बनाया था और कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी इसका हिस्सा थे। थरूर ने ठुकराया विपक्ष का ऑफर सूत्रों के अनुसार, विपक्ष ने शशि थरूर को भी इस बहस में शामिल होने का निमंत्रण दिया था, लेकिन उन्होंने बिना कोई कारण बताए बहस का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया। बहस में कौन-कौन होगा शामिल बता दें कि विपक्ष की तरफ से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, गौरव गोगोई, प्रियंका गांधी, दीपेंद्र हुड्डा, परिणीति शिंदे, शफी परमबिल, मनिचकम टैगोर और राजा बराड़ इस बहस में शामिल होंगे। वहीं, सरकार की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की शुरूआत करेंगे। इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर समेत अनुराग ठाकुर और निशिकांत दुबे विपक्ष के सवालों का जवाब देंगे।

राजनाथ सिंह जब बता रहे थे युद्धविराम का किस्सा, अचानक खड़े हुए राहुल गांधी और पूछा आपने रोका क्यों

पहलगाम आतंकी हमले पर लोकसभा में राजनाथ सिंह के बयान के दौरान, राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर रोकने पर सवाल पूछा। रक्षा मंत्री ने जवाब दिया कि पाकिस्तान ने खुद युद्धविराम की मांग की थी

नई दिल्ली (एजेंसी): संसद में जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने कैसे युद्ध विराम पर सहमति जताई, तो विपक्ष के नेता राहुल गांधी अचानक उठ खड़े हुए और पूछा, "आपने रोका क्यों?" यह बातचीत पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को भारत की प्रतिक्रिया पर लोकसभा में विशेष बहस के दौरान हुई। राहुल गांधी के हस्तक्षेप से पहले राजनाथ सिंह ने हिंदी में कहा, "हमने रक्षा बलों को लक्ष्य चुनने और कड़ा जवाब देने की पूरी स्वतंत्रता दी।" उन्होंने आगे कहा, "इस ऑपरेशन का उद्देश्य युद्ध करना नहीं था, बल्कि दुश्मन को हमारी शक्तिशाली सेनाओं के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर करना था। 10 मई की सुबह, भारतीय वायु सेना द्वारा उनके कई हवाई अड्डों को नष्ट करने के बाद, पाकिस्तान ने हार मान ली और युद्धविराम की मांग की।" उन्हें यह कहते हुए रुकना पड़ा: "उन्होंने (पाकिस्तान ने) हमारे डीजीएमओ को बुलाया और कहा, महाराज, अब रुकिए, बहुत हो गया। हमने इस शर्त के साथ उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया कि... इस पर राहुल थोड़ी देर के लिए उठे और पूछा, "तो आपने ऑपरेशन क्यों रोक दिया?" जब राजनाथ ने राहुल गांधी को बैठने का इशारा किया, तो सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसद भी भड़क उठे। फिर उन्होंने कहा कि यह क्यों रुका, इस बारे में मैं अपने भाषण में विस्तार से बता चुका हूँ। मैं विपक्ष के नेता के सवाल पूछने के अधिकार का सम्मान करता हूँ, लेकिन उन्हें मेरा पूरा भाषण सुनना चाहिए। सिंह ने लोकसभा में पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा की शुरूआत करते हुए यह भी कहा कि पाकिस्तान की तरफ से सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) के स्तर पर संपर्क कर आग्रह किया गया था कि अब कार्रवाई रोक दी जाए। उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधा और कहा कि उसे यह सवाल पूछने के बजाय कि इस अभियान में भारत के कितने विमान गिरे, ऑपरेशन की सफलता पर बात करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, भारत ने कार्रवाई इसलिए रोकी क्योंकि मिशन से पहले जो उद्देश्य तय किए गए थे, उन्हें पूरी तरह हासिल कर लिया गया। किसी दबाव में ऑपरेशन सिंदूर रोकने का आरोप बेबुनियाद है। सिंह ने कहा, मैं सदन को यह भी बताना चाहूंगा कि किसी क्षेत्र पर कब्जा करना इस ऑपरेशन का मकसद नहीं था। इसका उद्देश्य पाकिस्तान द्वारा वर्षों से पाले गए आतंकवाद की नर्सरी का अंत करना था। उन लोगों को न्याय दिलाना था

हेपेटाइटिस के खिलाफ मजबूती से आगे बढ़ रहा भारत : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

जिसका उद्देश्य वायरल हेपेटाइटिस के बारे में जानकारी बढ़ाना और इससे निपटने के लिए रोकथाम, जांच और इलाज के प्रयासों को मजबूत करना होता है। जेपी नड्डा ने इस साल की थीम हेपेटाइटिस : लेट्स ब्रेक इट डाउन पर कहा कि यह थीम उन सामाजिक रुकावटों को खत्म करने पर जोर देती है

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने आज सोमवार को विश्व हेपेटाइटिस दिवस के मौके पर कहा कि भारत इस खतरनाक बीमारी के खिलाफ मजबूती से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के जरिए देशभर में लोगों की जान बचाने और बीमारी को खत्म करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दिन लोगों में हेपेटाइटिस की जानकारी और उसकी रोकथाम के उपायों को लेकर जागरूकता फैलाने का बड़ा अवसर है। गौरतलब है कि हर साल 28 जुलाई को विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य वायरल हेपेटाइटिस के बारे में जानकारी बढ़ाना और इससे निपटने के लिए रोकथाम, जांच और इलाज के प्रयासों को मजबूत करना होता है। जेपी नड्डा ने इस साल की थीम हेपेटाइटिस : लेट्स ब्रेक इट डाउन पर कहा कि यह थीम उन सामाजिक रुकावटों को खत्म करने पर जोर देती है, जो इस बीमारी के उन्मूलन में बाधा बनती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक भारत हेपेटाइटिस बी और सी मामलों में चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है। साल 2022 के आंकड़ों के मुताबिक भारत में 2.98 करोड़ लोग हेपेटाइटिस बी और 55 लाख लोग हेपेटाइटिस सी से पीड़ित थे। यह संख्या वैश्विक हेपेटाइटिस मामलों का लगभग 11.6% है। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि देश में हेपेटाइटिस के खिलाफ लड़ाई के लिए जागरूकता और समय पर जांच व इलाज को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि हमें नए तरीकों से लोगों को इसके रोकथाम के उपायों की जानकारी देनी होगी। भारत का राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम जांच, इलाज और बचाव की सुविधा मुहैया कराकर इस लड़ाई को मजबूती दे रहा है। हेपेटाइटिस एक ऐसी बीमारी है, जिसमें लिवर (यकृत) में सूजन आ जाती है और यह गंभीर लिवर रोग या कैंसर का रूप ले सकती है। यह बीमारी पांच प्रकार के वायरस -ए, बी, सी, डी और ई से होती है, जिनके फैलने के तरीके, गंभीरता और इलाज अलग-अलग होते हैं। विश्व हेपेटाइटिस दिवस समाज में फैले कलंक, जानकारी की कमी और इलाज तक सीमित पहुंच जैसी समस्याओं को दूर करने की जरूरत को उजागर करता है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर समय पर जांच और इलाज की सुविधा बढ़ाई जाए, तो हेपेटाइटिस बी और सी के मामलों में काफी हद तक कमी लाई जा सकती है। वैश्विक लक्ष्य है कि साल 2030 तक हेपेटाइटिस को खत्म किया जाए, जिसके लिए भारत को जांच और इलाज की पहुंच को और मजबूत करना होगा।

संपादकीय

सौ बार सोचेगा पाकिस्तान

सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी के कथन से पाकिस्तान को समझ लेना चाहिए कि अब संयम बरत कर सारे षड़्यंत्र झेलना भारत की नियति नहीं है। भारत अब बदल गया है और अपने खिलाफ किसी भी हरकत का मुंहतोड़. जवाब देता है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमलों ने पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा। करगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के लिए एक संदेश था और साथ ही यह पूरे देश को गहरा जख्म देने वाले पहलगाम आतंकवादी हमले का जवाब भी था। इस बार भारत केवल शोक में नहीं डूबा, बल्कि उसने दिखाया कि दिल दुखाने वालों को निर्णायक जवाब मिलेगा।

आपरेशन सिंदूर ने एक बात तो साबित कर दी है कि जरूरत पड़ने पर अब इस सोच-विचार में समय खराब नहीं किया जाता कि सेना को सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर तक ही सीमित रहना है। अब भारत जरूरत होने पर पाकिस्तान में अंदर तक घुस कर भी आतंकी ठिकानों पर कहर बरपा सकता है और आतंकवाद की पोषक पाकिस्तानी सेना के ठिकानों की भी चूलें हिला सकता है। दुश्मन को कड़ा जवाब देना भारत के लिए अब सामान्य बात है। भारत की एकता, अखंड़ता और संप्रभुता को चुनौती देने या लोगों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने पर ऐसा ही जवाब दिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना ने निदोर्षों को कोई नुकसान पहुंचाए बिना पाकिस्तान में नौ महत्त्वपूर्ण आतंकवादी ढांचों को नष्ट किया। आतंकियों के बचाव में भारत की कार्रवाई रोकने के लिए पाकिस्तान के आक्रामक प्रयासों को सेना ने विफल किया। भारत ने शांति का मौका दिया लेकिन पाकिस्तान ने कायरता दिखाई। आठ-नौ मई को पाकिस्तानी कार्रवाई का ऐसा जवाब दिया गया जिसे पाक कभी भूल नहीं पाएगा। हमारी सेना की वायु रक्षा एक अभेद्य दीवार की तरह खड़ी रही जिसे पाकिस्तान की कोई भी मिसाइल या ड्रोन भेद नहीं सका। अब भारत रुद्र ब्रिगेड़ की स्थापना करने जा रहा है, इसके तहत एक ही स्थान पर पैदल सेना, मशीनीकृत पैदल सेना, बख्तरबंद इकाइयां, तोपखाना, विशेष बल और मानवरहित हवाई इकाइयां होंगी जो साजोसामान और युद्ध संबंधी सहायता प्रदान करेंगी। सेना ने विशेष बल भैरव लाइट कमांड़ो इकाई का भी गठन किया है जो दुश्मन से निपटने को हमेशा तैयार रहेगी। अब पाकिस्तान की परमाणु शक्ति होने की धौंस नहीं चलने वाली।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- "आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था। महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठा व्यक्तियों को जन्म देती है। वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

चीन और पाकिस्तान का पक्का इलाज करने के लिए सेना बना रही है रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन

नीरज कुमार दुबे

भारतीय सेना अपनी युद्धक क्षमताओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए बड़े पैमाने पर पुनर्गठन कर रही है। हम आपको बता दें कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने घोषणा की है कि सेना नई 'रुद्र ब्रिगेड' और 'भैरव लाइट कमांडो बटालियन' का गठन कर रही है। देखा जाये तो यह कदम भारत-चीन और भारत-पाकिस्तान की सीमाओं पर तेजी से प्रतिक्रिया देने और भविष्य की युद्ध चुनौतियों का सामना करने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है।

रुद्र ब्रिगेड के बारे में जानें

हम आपको बता दें कि रुद्र ब्रिगेड मौजूदा दो इन्फैंट्री ब्रिगेड्स को रूपांतरित करके तैयार की जा रही हैं। इनका उद्देश्य एक ही संरचना में सभी युद्धक शाखाओं को एकीकृत करना है, ताकि सीमाई हालात में अतिरिक्त सैनिक तैनात करने की आवश्यकता नहीं पड़े। इसमें इन्फैंट्री, मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री, टैंक, आर्टिलरी, स्पेशल फोर्सेस, ड्रोन और लॉजिस्टिक सपोर्ट यूनिट्स शामिल होंगे। इन ब्रिगेड्स को एकीकृत कमांड स्ट्रक्चर के तहत रखा जाएगा, जिससे युद्ध के दौरान विभिन्न शाखाओं में बेहतर समन्वय हो सके। ब्रिगेड की संरचना ऑपरेशनल क्षेत्र और भूमिका के आधार पर अलग-अलग होगी।

मैदानी इलाकों में मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री, टैंक रेजीमेंट और स्वचालित आर्टिलरी के साथ तेज गति वाले आक्रामक ऑपरेशन किये जा सकेंगे। वहीं पहाड़ी क्षेत्रों में इन्फैंट्री बटालियन और हाई-एल्टीट्यूड युद्ध के लिए सक्षम आर्टिलरी इकाइयां काम आयेंगी। हम आपको बता दें कि प्रत्येक रुद्र ब्रिगेड में ड्रोन आधारित निगरानी, एरिया सैचुरेशन वेपन और रियल-टाइम इंटेलिजेंस का समावेश होगा। इससे सीमाई परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने की क्षमता बढ़ेगी।

भैरव लाइट कमांडो बटालियन के बारे में जानें

वहीं भैरव लाइट कमांडो बटालियन की बात करें तो आपको बता दें कि रुद्र ब्रिगेड्स के साथ-साथ सेना 'भैरव लाइट कमांडो बटालियन' भी बना रही है। ये पारंपरिक स्पेशल फोर्सेस की तरह गहरे रणनीतिक ऑपरेशन पर केंद्रित नहीं होंगी, बल्कि सीमाई क्षेत्रों में त्वरित आक्रमण, गतिशीलता और तेज प्रभाव पैदा करने के लिए तैनात की जाएंगी। ये बटालियन हल्की, चपल और छोटे पैमाने पर त्वरित ऑपरेशनों में विशेषज्ञ होंगी। ये बटालियन हमेशा तैयार रहेंगी ताकि सीमा पर दुश्मन को चौंका सकें।

हम आपको बता दें कि भारतीय सेना की मौजूदा 250 सिंगल-आर्म ब्रिगेड्स (लगभग 3,000 सैनिकों वाली) को सभी युद्धक शाखाओं से लैस ब्रिगेड्स में बदला जा रहा है। ये नई संरचनाएं लॉजिस्टिक सपोर्ट के साथ आत्मनिर्भर होंगी। प्रारंभिक चरण में इन्हें सीमित संख्या में तैयार किया जा रहा है। यह अवधारणा सेना की पुरानी इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप (IBG) योजना पर आधारित है।

क्यों जरूरी हैं रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन? जहां तक यह सवाल है तो आपको बता दें कि भारत की सीमाएं चीन और पाकिस्तान जैसे दो मोर्चों पर सक्रिय खतरों से घिरी हुई हैं। भविष्य के युद्ध तेज गति और बहु-दिशात्मक हमलों की मांग करते हैं। इन नई इकाइयों से सेना तेज तैनाती (12-48 घंटे), बेहतर समन्वय और उन्नत अग्नि-शक्ति के साथ दुश्मन को जवाब दे सकेगी।

IBG क्या है?

इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप (IBG) को देखें तो आपको बता दें कि IBG पारंपरिक ब्रिगेड से बड़ी और डिवीजन से छोटी स्व-निर्भर युद्ध इकाई होती है (करीब 5,000 सैनिक)। इसमें इन्फैंट्री, आर्मर्ड, आर्टिलरी, इंजीनियर और सपोर्ट सर्विसेज शामिल होते हैं। इसका उद्देश्य है कि किसी भी आक्रमण की स्थिति में 12-48 घंटे में तैनाती की जा सके। फिलहाल दो IBG बनाए जाने की योजना है: 9 कॉर्प्स (पाकिस्तान सीमा पर), 17 स्ट्राइक कॉर्प्स (चीन सीमा पर)

हम आपको बता दें कि भारतीय सेना का भविष्य दृष्टिकोण तकनीक आधारित तेज युद्धक क्षमता पर आधारित है। इसलिए सेना ने हाल के वर्षों में युद्धक क्षमताओं को आधुनिक बनाने पर जोर दिया है। जैसे- ड्रोन प्लाटून अब अधिकांश इन्फैंट्री बटालियनों का हिस्सा हैं। आर्टिलरी रेजीमेंट को लॉइटरिंग म्युनिशन (ङ्क८२३१ कार्यक्रम) से लैस किया गया है। रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन इन तकनीकों को एकीकृत कर युद्ध में सटीकता और तेजी लाएंगी।

भारतीय सेना की युद्ध रणनीति में जो बड़े बदलाव स्पष्ट नजर आ रहे हैं वह हैं- सेना अब पारंपरिक धीमी गति वाले ऑपरेशनों से हटकर तेज, लचीले और बहु-आयामी हमलों पर जोर दे रही है। रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन भारत को चीन और पाकिस्तान दोनों सीमाओं पर तेज प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाएंगी। ड्रोन, रियल-टाइम निगरानी और नेटवर्क आधारित युद्धक क्षमता सेना को फ्यूचर-रेडी बनाएगी। इन ब्रिगेड्स को अलग से सैनिक या सपोर्ट भेजने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे प्रतिक्रिया समय घटेगा।

बहरहाल, रुद्र ब्रिगेड और भैरव लाइट कमांडो बटालियन का गठन भारतीय सेना की युद्ध रणनीति में क्रांतिकारी बदलाव है। यह न केवल सेना की आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताओं को बढ़ाएगा, बल्कि यह संदेश भी देगा कि भारत अब तेजी, सटीकता और तकनीक से लैस युद्धक शक्ति के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार है।

पौराणिक काल से ही होती रही है नागों की पूजा

योगेश कुमार गोयल

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को प्रतिवर्ष देशभर में नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 29 जुलाई को मनाया जा रहा है। हालांकि कुछ राज्यों में चैत्र तथा भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी 'नाग पंचमी' मनाई जाती है। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं, इसीलिए मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन भगवान शिव के आभूषण नाग देवता की पूजा पूरे विधि-विधान से करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि के अलावा आध्यात्मिक शक्ति, अपार धन और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है और सर्पदंश के भय से भी मुक्ति मिलती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार नाग पंचमी इस बार हस्त नक्षत्र के शुभ संयोग में मनाई जाएगी। नाग पंचमी के दिन कुछ स्थानों पर ह्यकुशह्ल नामक घास से नाग की आकृति बनाकर दूध, घी, दही इत्यादि से इनकी पूजा की जाती है जबकि कुछ अन्य स्थानों पर नागों के चित्र या मूर्ति को लकड़ी के एक पाट पर स्थापित कर मूर्ति पर हल्दी, कुमकुम, चावल, फूल चढ़ाकर पूजन किया जाता है और पूजन के पश्चात कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित की जाती है। मान्यता है कि ऐसा करने से नागराज वासुकि प्रसन्न होते हैं और पूजा करने वाले परिवार पर नाग देवता की कृपा होती है।

कुछ धर्म ग्रंथों में नागों को पूर्वजों की आत्मा के रूप में भी माना गया है। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार नागों को पौराणिक काल से ही देवता के रूप में पूजा जाता रहा है और नाग पंचमी के दिन नाग पूजन करने का तो काफी ज्यादा महत्व माना गया है। भारत में कई स्थानों पर नाग देवता के कई प्राचीन मंदिर हैं और नागालैंड, नागपुर, अनंतनाग, शेषनाग, नागवनी, नागारखंड, भागसूनाग इत्यादि देश में कई स्थानों का तो नाम ही नागों के नाम पर ही रखा गया है। नागालैंड को तो नागवंशियों का मुख्य स्थान माना गया है और कुछ ग्रंथों में कश्मीर को भी नागभूमि कहा गया है। भारत में दक्षिण भारत के पर्वतीय इलाकों के अलावा उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम इत्यादि में नाग पूजा प्रमुखता से होती है। जिस प्रकार हमारे कुल देवताओं में देवी-देवता शामिल होते हैं, ठीक उसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों में नागों को भी 'स्थान देवता' माना जाता है। कई जगहों पर तो नागों को कुल देवता, ग्राम देवता और क्षेत्रपाल भी कहा जाता है। हमारे धर्म शास्त्रों के अनुसार कुल 33 कोटि देवी-देवता हैं, जिनमें नाग भी शामिल हैं।

नागों की उत्पत्ति और उनके पाताललोक वासी होने को लेकर महाभारतकालीन एक कथा प्रचलित है। वराहपुराण के अनुसार, महर्षि कश्यप की तेरह पत्नियां थी, जिनमें से एक थी राजा दक्ष की पुत्री कद्रू, जिसने महर्षि कश्यप की बहुत सेवा की, जिससे प्रसन्न होकर महर्षि ने कद्रू को वरदाने मांगने के लिए कहा। कद्रू ने उनसे एक हजार तेजस्वी नाग पुत्रों का वरदान मांगा। महर्षि कश्यप के वरदानस्वरूप कद्रू से ही नाग वंश की उत्पत्ति हुई लेकिन जब इन नागों ने धरती पर लोगों को डसना शुरू किया तो नागों से रक्षा के लिए सभी ने ब्रह्माजी से प्रार्थना की। तब ब्रह्माजी ने सभी नागों को श्राप देते हुए कहा कि जिस तरीके से तुम लोगों पर अत्याचार कर रहे हो, अगले जन्म में तुम सभी का नाश हो जाएगा। यह श्राप सुनकर नाग भयभीत हो गए और उन्होंने कातर स्वर में ब्रह्माजी से प्रार्थना की कि जिस प्रकार मनुष्यों के रहने के लिए उन्हें पृथ्वी दी गई है, उसी प्रकार उन्हें भी इस ब्रह्माण्ड में कोई अलग स्थान दिया जाए, जिससे इस समस्या का भी समाधान हो जाएगा। तब ब्रह्माजी ने उन्हें रहने के लिए पाताल देते हुए कहा कि अब से तुम सभी भूमि के अंदर पाताललोक में ही रहोगे। उसके बाद सभी नाग पाताललोक में निवास करने लगे। माना जाता है कि ब्रह्राजी ने मनुष्यों की नागों से रक्षा के लिए जिस दिन उनके पाताल में रहने की व्यवस्था की, उस दिन सावन महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि थी और तभी से इसी तिथि पर नागों की पूजा के लिए ह्यनाग पंचमीह्ल त्योहार मनाया जाने लगा।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार नाग भगवान शिव के गले का हार तो हैं ही, भगवान विष्णु भी समुद्र में शेषनाग की शैया पर विश्राम करते हैं और यह भी मान्यता है कि हमारी धरती इन्हीं शेषनाग के फन पर टिकी है। त्रेता युग में शेषनाग ने भगवान श्रीराम के छोटे भाई लक्ष्मण के रूप में धरती पर जन्म लिया था और द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम भी शेषनाग के अवतार माने गए हैं। वैसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से नागों को कृषक मित्र जीव माना गया है। दरअसल ये खेतों में फसलों के लिए खतरनाक जीवों, चूहों इत्यादि का भक्षण कर फसलों के लिए मित्र साबित होते हैं लेकिन वर्तमान समय में नागों या सांपों की खाल, जहर इत्यादि चीजों से बड़े व्यापारिक लाभ के लिए बड़ी संख्या में इन्हें मारा और बेचा जाता है। इसी कारण वन्य और जीव-जंतु विभाग तथा सरकारों द्वारा नागों को संरक्षित करने के लिए सांपों को पकड़ने और उन्हें दूध पिलाने पर रोक लगाई जाती है।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

भारत का पासपोर्ट, सीधी यात्रा सुविधा बढ़ी

अब हमारे नागरिक 59 देशों में बिना पहले से वीजा लिए यात्रा कर सकते हैं। पिछले वर्ष यह संख्या 57 थी। इस सूची में इस बार फि लीपींस और श्रीलंका जैसे देश भी शामिल हुए हैं। यह बढ़ी हुई पहुंच न केवल यात्रियों के लिए सहूलियत है, बल्कि व्यापार, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के नए द्वार भी खोलती है। वीजा की लंबी, खचीर्ली और जटिल प्रक्रिया अब कई देशों में बाधा नहीं रही।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2025 में भारत ने उल्लेखनीय छलांग लगाई है। पिछले वर्ष की 85वीं रैंक से ऊपर उठकर अब भारतीय पासपोर्ट 77वें पायदान पर है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की स्वीकार्यता और ताकत का संकेत है। इसका लाभ भारतीय नागरिकों को सीधी यात्रा सुविधा के रूप में मिल रहा है-और यह भारत की अर्थव्यवस्था, कूटनीति और वैश्विक प्रभाव के लिए भी शुभ संकेत है।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स दरअसल एक वैश्विक मानक है, जो यह मापता है कि किसी देश का नागरिक बिना वीजा या वीजा-ऑन-अराइवल के कितने देशों की यात्रा कर सकता है। इस मापदंड में भारतीय पासपोर्ट का सुधार स्पष्ट करता है कि अब हमारे नागरिक 59 देशों में बिना पहले से वीजा लिए यात्रा कर सकते हैं। पिछले वर्ष यह संख्या 57 थी। इस सूची में इस बार फि लीपींस और श्रीलंका जैसे देश भी शामिल हुए हैं।

यह बढ़ी हुई पहुंच न केवल यात्रियों के लिए सहूलियत है, बल्कि व्यापार, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के नए द्वार भी खोलती है। वीजा की लंबी, खचीर्ली और जटिल प्रक्रिया अब कई देशों में बाधा नहीं रही। इससे आकस्मिक यात्राएं आसान होती हैं, व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल तेजी से विदेश जा सकते हैं, और छात्र व शोधकर्ता भी नए अवसरों तक पहुंच बना सकते हैं। विदेशी निवेशकों के लिए भी यह एक सकारात्मक संकेत है कि भारत एक खुली, जुड़ने लायक अर्थव्यवस्था है।

इस सुधार के पीछे कई कारक हैं। भारत सरकार ने बीते वर्षों में विभिन्न देशों के साथ वीजा-नीति को लेकर जो द्विपक्षीय संवाद किया है, वह रंग लाया है। विदेश मंत्रालय की सक्रिय कूटनीति और रणनीतिक साझेदारियों ने वीजा-संबंधी नीतियों को उदार बनाने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही, भारत की तेज आर्थिक प्रगति और वैश्विक मंच पर उसकी भूमिका भी कारण है कि दुनिया भारत के साथ संबंध प्रगाढ़ करने के लिए तत्पर दिखती है।

किसी भी देश की पासपोर्ट रैंकिंग उसकी राजनीतिक स्थिरता और आंतरिक सुरक्षा की स्थिति से भी जुड़ी होती है। भारत ने बीते कुछ वर्षों में अपने आंतरिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत किया है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अपनी स्थिर छवि बनाई है। डिजिटल पासपोर्ट सेवा प्रणाली ने इस प्रक्रिया को और पारदर्शी और कुशल बनाया है, जिससे नागरिकों के लिए पासपोर्ट प्राप्त करना और उपयोग करना अधिक सहज हो गया है।

कोविड-19 महामारी के कारण वैश्विक यात्रा पर जो ब्रेक लगा था, वह अब धीरे-धीरे हट रहा है। देशों के बीच द्विपक्षीय समझौते फिर से सक्रिय हो रहे हैं, और वैश्विक गतिशीलता में फिर से संचार हो रहा है। यही रुझान पासपोर्ट रैंकिंग में सुधार का आधार भी बने हैं।

लेकिन इस बढ़ती ताकत को स्थायी बनाना और आगे ले जाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। विदेश मंत्रालय को चाहिए कि उन देशों से सतत संवाद बनाए रखे जहाँ भारतीय नागरिकों को अब भी सख्त वीजा नियमों का सामना करना पड़ता है-विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ भारतीय छात्रों, कारोबारियों और सैलानियों की बड़ी उपस्थिति है।

एक मजबूत अर्थव्यवस्था मजबूत पासपोर्ट की बुनियाद होती है। इसलिए भारत को अपनी आर्थिक वृद्धि दर बनाए रखनी होगी, अंतरराष्ट्रीय संधियों और नियमों का पालन करना होगा, ताकि वैश्विक विश्वसनीयता और अधिक गहरी हो।

भारत को उन देशों से भी संवाद बढ़ाना चाहिए जो ई-वीजा या वीजा-ऑन-अराइवल जैसी सुविधाएं नहीं देते। यह यात्रा को न सिर्फ सुविधाजनक बनाता है, बल्कि विदेशों में भारत की सकारात्मक छवि को भी मजबूत करता है। साथ ही सरकार को पासपोर्ट धारकों को यह जानकारी भी देनी चाहिए कि वे किन देशों में बिना वीजा यात्रा कर सकते हैं। सार्वजनिक जागरूकता अभियानों, विदेश मंत्रालय की वेबसाइट, और राजदूतावासों की जानकारी प्रणाली को इसके लिए बेहतर बनाया जा सकता है।

ह्यअतिथि देवो भवह्ल की भारत की परंपरा भी हमारी ह्यसॉफ़्ट पावरह्ल को मजबूत करती है। जब विदेशी नागरिक भारत आते हैं और यहां की संस्कृति, विविधता और उदारता से प्रभावित होते हैं, तो उनकी सरकारों पर भी भारत के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का दबाव बनता है। इससे वीजा संबंधी उदारता भी बढ़ती है।

बेशक, पासपोर्ट रैंकिंग में यह प्रगति एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, पर लक्ष्य अभी और बड़ा है। भारत की विदेश नीति पर हालांकि विशेषज्ञों की राय अलग-अलग है। ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ल के संदर्भ में देखा जाए, तो आलोचक यह प्रश्न उठाते हैं कि उस समय कोई भी वैश्विक शक्ति खुलकर भारत के साथ खड़ी नहीं दिखी।

वहीं, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार यह दावा कर चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम उनके हस्तक्षेप से ही हुआ। हालांकि भारत सरकार ने उनके इस बयान का बार-बार खंडन किया है। ऐसे मामलों से यह स्पष्ट होता है कि भारत की विदेश नीति केवल भावनाओं पर नहीं, बल्कि आर्थिक प्राथमिकताओं और भू-राजनीतिक संतुलनों पर आधारित होती है।

भारत एक ऐसा देश है, जिसे अमेरिका, रूस और चीन सभी अपनी रणनीति में शामिल रखना चाहते हैं। भारत के विशाल बाजार, उसकी रणनीतिक स्थिति और वैश्विक महत्व ने उसे एक अनिवार्य साझेदार बना दिया है-लेकिन इसके साथ ही चुनौतियाँ भी उतनी ही जटिल हैं। पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति और चीन के साथ शक्ति-संतुलन बनाए रखने की जरूरत के बीच भारत को सावधानी से अपने हितों की रक्षा करनी होती है।

अतः, भारतीय पासपोर्ट की यह नई प्रतिष्ठा केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है-यह भारत की विश्व छवि, उसकी विदेश नीति, उसकी अर्थव्यवस्था और उसके नागरिकों के आत्मविश्वास की संयुक्त अभिव्यक्ति है। इसे बनाए रखना और आगे बढ़ाना हमारी समष्टि और संकल्प दोनों का परीक्षण होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और समाजसेवी है)

जिले में शिक्षा के क्षेत्र में बुलंदियों को छू रहा है ब्लू बड्र्स इंटरनेशनल स्कूल, धनौरा

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले के धनौरा कस्बे में स्थित ब्लू बड्र्स इंटरनेशनल स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। यह स्कूल न केवल शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए जाना जा रहा है। बल्कि समग्र विकास और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से छात्रों के भविष्य को संवारने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। अपनी स्थापना के बाद से ही यह स्कूल क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को ऊंचा करने और बच्चों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। ब्लू बड्र्स इंटरनेशनल स्कूल ने अपनी आधुनिक सुविधाओं, नवीन शिक्षण तकनीकों और समर्पित शिक्षक-कर्मचारी वर्ग के साथ शिक्षा के क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है। स्कूल का पाठ्यक्रम केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध है। जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा के मानकों को पूरा करता है। इसके अतिरिक्त, स्कूल में डिजिटल कक्षाएं, स्मार्ट बोर्ड, और इंटरैक्टिव लर्निंग मॉड्यूल्स का उपयोग किया जाता है। जो छात्र छात्राओं को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ते हैं। और उनकी सीखने की प्रक्रिया को रोचक बनाते हैं। स्कूल का ध्यान केवल अकादमिक शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छात्र छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर भी केंद्रित है। खेल, कला, संगीत, नृत्य और अन्य सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए स्कूल में उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध हैं। हाल ही में आयोजित एक वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता में स्कूल के छात्रों ने

विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिसमें कई ने जिला और राज्य स्तर पर पुरस्कार जीते। यह स्कूल के समग्र दृष्टिकोण का परिणाम है, जो शारीरिक और मानसिक विकास को समान महत्व देता है। ब्लू बड्र्स इंटरनेशनल स्कूल ने हाल के वर्षों में अपने शैक्षिक परिणामों के माध्यम से भी ध्यान आकर्षित किया है। स्कूल के छात्रों ने बोर्ड परीक्षाओं में लगातार उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं। और कई छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे जेईई, नीट और ओलंपियाड में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। स्कूल के शिक्षकों का कहना है कि उनकी सफलता का राज व्यक्तिगत ध्यान, नियमित मूल्यांकन और छात्रों के लिए प्रेरणादायक माहौल प्रदान करना है। स्कूल प्रबंधन का यह भी मानना है कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इसीलिए, ब्लू बाड्र्स में नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। हाल ही में स्कूल ने एक पर्यावरण जागरूकता अभियान चलाया, जिसमें छात्रों ने पौधरोपण और स्वच्छता अभियान में भाग लिया। इस तरह की पहल न केवल छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी का भाव जगाती है। बल्कि उन्हें बेहतर नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित करती है। स्थानीय समुदाय में भी ब्लू बड्र्स इंटरनेशनल स्कूल की सराहना हो रही है। अभिभावकों का कहना है कि यह स्कूल न केवल उनके बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है, बल्कि उनके आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल को भी निखार रहा है। स्कूल के प्राचार्य का कहना है। "हमारा लक्ष्य प्रत्येक छात्र को ऐसा माहौल प्रदान करना है, जहां वे अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकें और भविष्य में समाज के लिए योगदान दे सकें। ब्लू बड्र्स इंटरनेशनल स्कूल की यह उपलब्धियां अमरोहा जैसे छोटे जिले में शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांति का प्रतीक हैं। यह स्कूल न केवल धनौरा के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए एक प्रेरणा स्रोत बन रहा है, जो यह दशार्ता है कि सही दृष्टिकोण और संसाधनों के साथ शिक्षा के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। अमरोहा जिले के धनौरा में ब्लू बड्र्स इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा तनिष्का राजपूत ने सीबीएसई स्कूल से 12ॅ प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इस अवसर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1 लाख रुपए एक लेपटॉप देकर सम्मानित किया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत गठित जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत गठित जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना, नियमित टीकाकरण, आशा कार्यक्रम, परिवार नियोजन, आयुष्मान कार्ड, प्रतिरक्षण कार्यक्रम, टीबी कार्यक्रम, संभव अभियान आदि की समीक्षा की। उन्होंने प्रेरणा कैंटीन एसएसजी को प्रत्येक सरकारी अस्पतालों में खुलवाने के निर्देश दिए। अश्वनी कुमार मिश्र ने संस्थागत कम प्रसव पर नाराजगी जताते हुए संस्थागत प्रसव में बढोत्तरी लाने के निर्देश दिए। जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत समय से शत प्रतिशत भुगतान कराने के निर्देश दिए। इसके साथ उन्होंने नियमित टीकाकरण का शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि कोई बच्चा टीकाकरण से न छूटे। उन्होंने आशाओं के भुगतान को भी समय से करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, सीएमएस डॉ0 एके भंडारी सहित संबंधित अधिकारी और समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारी मौजूद रहे।

15 दिवसीय महाशिवपुराण कथा के आठवें दिन रानी मैनावती के घर माता पार्वती के जन्म का किया वर्णन

हसनपुर/अमरोहा(सब का सपना):- क्षेत्र के ग्राम शेखुपुर झकड़ी में बाबा लालचंद महाराज द्वारा स्थापित स्वामी रामप्रसाद उदासीन समाधि ट्रस्ट के महंत स्वामी राजेंद्र मुनि ने पार्वती जन्म का वर्णन श्रोताओं को सुनाया। उन्होंने बताया कि सनातन संस्कृति के धर्म शास्त्र, वेद पुराण नारी सम्मान की गाथा से भरे पड़े है। पार्वती जन्म कथा में कहा कि हिमाचल के यहां 100 पुत्रों को जन्म होने के बाद जहां कन्या प्राप्ति के लिए राजा हिमाचल और रानी मैना ने देवी यज्ञ का आयोजन किया। वहीं जगदम्बा पार्वती को यज्ञ से प्राप्त कर कन्या का जन्मोत्सव मनाया। पंडित ने कहा कि हमारे शास्त्रानुसार कन्यादान के बिना ग्रहस्थ का उद्धार संभव नहीं हैं। उन्होंने कन्या भ्रूण हत्या को घोर पाप बताया। हमारे शास्त्रों में कन्या को लक्ष्मी का रूप माना गया है। उन्होंने कहा कि राम राज्य मे नारी की रक्षा के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर दिया जाता था। इसके अलावा स्वामी जी ने साध्वी शब्द की वृहद व्याख्या की ओर व्यासपीठ की महिमा बताई और इसके अधिकारों का वर्णन भी किया। इस अवसर पर स्वामी प्रवेश मुनि महाराज, कमलेश मुनि धर्म मुनि,राम मुनि, सुन्दर मुनि, ऋषिपाल भगत जी यश वशिष्ठ, ढोलक वादक राजकुमार वास्तव वीरमपुर सोनू चौहान पुष्पेन्द्र, सर्वेश मुनि सत्यवीर सिंह, लवकुश कुमार, महिपाल शर्मा, रघुवीर सिंह, राजेंद्र सिंह, दीपक, रोताश, राकेश, धर्मेंद्र, रक्षपाल सिंह,राजू प्रधान, योगेन्द्र चौधरी, विजयेंद्र सिंह, बलवंत सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

इमामबारगाह दादे वाला में मजलिस का किया गया आयोजन

सैदनगली/अमरोहा (सब का सपना:- अगर कोई दुनिया की किसी ताकत को सुपर पावर समझता है, तो यह उसके ईमान की कमजोरी है। क्योंकि सुपर पावर सिर्फ अल्लाह है। अमेरिका और इजराइल आज के यजीद हैं। नगर पंचायत सैदनगली की इमामबारगाह "दादे वाला" में मजलिस का आयोजन किया गया। मजलिस में मर्सिया ख्वानी डॉ० लईक हैदर और उनके हमनवाओं ने की। मौलाना आगा जमीर अब्बास जाफरी ने लोगों को खिताब फरमाते हुए कहा कि फर्श ए अजा हमारी तरबियतगाह है। इस पर आने वाला कभी गुमराह नहीं हो सकता और न कभी शिर्क कर सकता है। मरे हुए यजीद पर लानत करना आसान है, लेकिन वक्त के यजीद की आंखों में आंखें डालकर वही बात कर सकता है जो सच्चा हुसैनी है। लोग अमेरिका और इसजराइल को सुपर पावर कहते हैं। दुनिया की किसी ताकत को सुपर पावर मान लेना ईमान की कमजोरी है, क्योंकि सुपर पावर सिर्फ अल्लाह रब्बुल इज्जत है। जंग ए बदर में मुसलमानों के पास हथियार नहीं थे, लेकिन ईमान की ताकत थी। जिसकी वजह से फतह नसीब हुई। सबसे ज्यादा अहम दो चीज हैं। एक ईनाम और दूसरा इल्म। अपना ईमान मजबूत रखो और इतना इल्म हासिल करो कि दुनिया के हर यजीद की आंखों में आंखें डाल कर बैअत का इनकार कर सको। इस अवसर पर मुख्य रूप से असद अब्बास, शौकत मेहंदी, सुहैल अब्बास एड०, नवाबुल हसन, रियाज उल हसन, फहीम हैदर, अजादार, सिकन्दर, मीसम रजा, अरीब हैदर एड०, जावेद रजा उर्फ बॉबी, कैसर हुसैन, अलाउददीन सैफी, कुमैल असगर, नसीरूल हसन, अम्मार रिजवी, बिलाल बाकरी, मिसाल अब्बास, अली काशिफ, दानिश बाकरी, फजल अब्बास, शोएब राजा उर्फ बिट्टू, मौ० हैदर अब्बास, शान ए हैदर, खालिक हैदर, जमाल हैदर, हसन मेंहदी आदि मौजूद रहे।

भारत वर्षीय जाट महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक बने चौधरी एडवोकेट काले सिंह, कार्यकताओं ने किया स्वागत

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- शहर के मोहल्ला डाक बंगला के रहने वाले एडवोकेट चौधरी काले सिंह भारत वर्षीय जाट महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक के रूप में चयनित हुए हैं। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर जाट महासभा के कार्यकताओं और समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। चौधरी काले सिंह के नेतृत्व में संगठन को नई दिशा और ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। चौधरी एडवोकेट काले सिंह का स्वागत समारोह मुरादाबाद के मोहल्ला आशियाना में भारत राष्ट्रीय जाट महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के के आवास पर आयोजित किया गया, जहां सैकड़ों कार्यकर्ता और स्थानीय लोग एकत्रित हुए। इस अवसर पर कार्यकताओं ने फूल मालाओं के साथ उत्साहपूर्ण नारों के साथ उनका अभिनंदन किया। समारोह में जाट समुदाय के गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक

कार्यकताओं और स्थानीय नेताओं ने भी शिरकत की। उपस्थित वक्ताओं ने चौधरी काले सिंह के सामाजिक कार्यों और समुदाय के प्रति उनके समर्पण की जमकर प्रशंसा की। चौधरी काले सिंह ने अपने संबोधन में कहा, "मुझे भारत वर्षीय जाट महासभा का राष्ट्रीय संरक्षक चुने जाने पर गर्व है। यह जिम्मेदारी मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं जाट समुदाय के उत्थान और समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयास करूंगा।" उन्होंने शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने युवाओं से संगठन के साथ जुड़कर सामाजिक बदलाव में योगदान देने का आह्वान किया। जाट महासभा के स्थानीय अध्यक्ष ने बताया कि चौधरी काले सिंह का चयन उनकी कानूनी विशेषज्ञता, सामाजिक कार्यों में योगदान और नेतृत्व क्षमता के आधार पर किया गया। उनके अनुभव से संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिलेगी। स्वागत समारोह में उपस्थित लोगों ने उनके नेतृत्व में संगठन के भविष्य को लेकर आशावाद व्यक्त किया। चौधरी काले सिंह ने समारोह के अंत में सभी कार्यकताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त किया और वादा किया कि वे जाट महासभा के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। यह आयोजन में जाट समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में याद किया जाएगा।

संचारी रोगों पर नियंत्रण हेतु अंतर्विभागीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संचारी रोगों पर नियंत्रण हेतु अंतर्विभागीय समन्वय समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जनपद में चलाए जा रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान व जन जागरूकता कार्यक्रम में अब तक की विभिन्न गतिविधियों व कार्यों की गहनता से समीक्षा करते हुए सीडीओ ने मुख्य वेक्टर वार्न डिजीज सहित अन्य संचारी रोगों की स्थिति एवं बचाव व जागरूकता के लिए चलाये जा रहे अभियान एवं प्रयासों में जनपद की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए सभी सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों एवं चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिए कि अंतर्विभागीय समन्वयता बनाकर अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें। उन्होंने निर्देश दिए की साफ सफाई जल भराव आदि की जानकारी एडीओ पंचायत, सचिव आशा से फीडबैक लेते रहें। उन्होंने निर्देश दिए कि वीएचएसएनसी फंड की रिपोर्ट 30 जुलाई तक उपलब्ध करा हैं। उन्होंने कहा कि मीटिंग या निरीक्षण के उपरांत कोई कमी पाई जाती है तो संबंधित के खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि ये महत्वपूर्ण समय है, अगर इस समय सावधानी बरत ली गई तो आने वाले समय में किसी बड़ी परेशानी से बचा जा सकता है। इसलिए संचारी रोगों से बचाव के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में साफ सफाई, नालियों की सफाई, अपशिष्ट जल निकासी, फॉगिंग और एंटी लार्वा एक्टिविटी कराते रहने के निर्देश दिए। सीडीओ ने संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि संबंधित विभागों के अंतर्विभागीय सहयोग द्वारा संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित कराया जाए। संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में साफ सफाई एवं जलभराव निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लोगों की जागरूकता के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियां इस प्रकार से संचालित की जाएं कि उनमें संचारी रोग नियंत्रण के प्रति समझ विकसित हो सके। सभी विभाग सौंपी गई जिम्मेदारियों का भली प्रकार से निर्वहन करें। यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही हुई तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 एके भंडारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/ नगर पंचायत, ए0डी 0ओ0 सहित समस्त सीएचसी एवं पीएचसी से चिकित्सक मौजूद रहे।

पूर्व ग्राम प्रधान पर मौजूदा ग्राम प्रधान पति ने सरकारी धन मैं बंदर वाट करने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमरोहा जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी के ग्राम पंचायत रहरा में घोटाले अनेक, मौजूदा ग्राम प्रधान ने लिया एक्शन

परिवार हो या रिश्तेदार सभी के खाते में शासन की मनसा के विरुद्ध भेजा गया सरकारी धन
ग्राम पंचायत में पक्का रास्ता बनवाने के नाम पर निकाल लिए लाखों रुपए, धरातल पर नहीं हुआ कुछ भी कार्य
शौचालय के नाम पर आम जनता को लगा दिया चुना, जन सेवा केंद्र पर शौचालय का लाभ लेने के लिए ऑनलाइन करते समय हुआ खुलासा
जनसेवा केंद्र संचालक के खाते में भी भेजे गए लाखों रुपए
अपनी ग्राम पंचायत से अलग ग्राम पंचायत के लोगों के खाते में भी भेजी गई मोटी धनराशि
कॉलेज में प्रोफेसर होने के बाद भी उनके खाते में भी भेजी गई धनराशि

अमरोहा (सब का सपना) मनोज शर्माः- जनपद के ग्राम पंचायत रहरा में मौजूदा ग्राम प्रधान पति ने पूर्व प्रधान बबीता गौतम पर सरकारी धन में लाखों रुपए का घोटाला करने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सोपा है। उन्होंने कहा है कि पूर्व ग्राम प्रधान के द्वारा विकास कार्यों के नाम पर निकाले गए धन की जांच होना जरूरी है। पूर्व ग्राम प्रधान और सचिव के द्वारा सरकारी धन में बंदर वाट किया गया है। ज्ञात रहे की विकासखंड गंगेश्वरी की ग्राम पंचायत रहरा में पूर्व में बबीता गौतम ग्राम प्रधान बनी थी। इसके बाद बबीता गौतम व सचिव के द्वारा मिलकर विकास कार्यों के लिए आए हुए धन का बंदर वाट किया गया है। बताया जाता है कि सरकारी धन का दुरुपयोग पूरे 5 वर्षों तक किया जाता रहा। पूर्व ग्राम प्रधान ने इस दौरान मनरेगा योजना के अंतर्गत भी काफी फर्जी बाडा किया है। ग्राम पंचायत में फर्जी बाड़े को देखते हुए ग्राम पंचायत के मौजूदा ग्राम प्रधान पति के द्वारा मामले की जांच कर खुलासा करने के लिए डीएम को ज्ञापन सोपा है। जिसमें बताया गया की पूर्व ग्राम

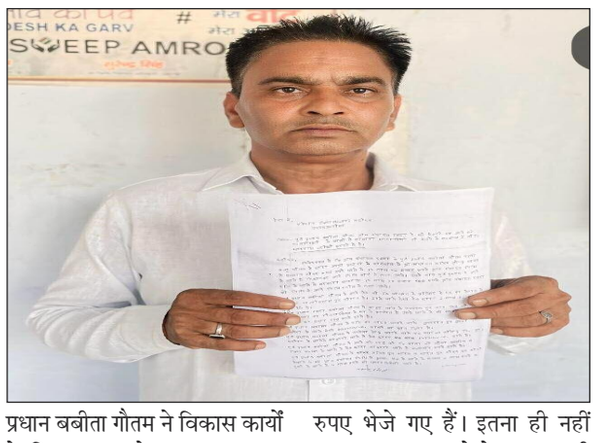

प्रधान बबीता गौतम ने विकास कार्यों के लिए सरकार से आए हुए धन का दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है मौजूदा ग्राम प्रधान पति ने बताया की परिवार हो या रिश्तेदार सभी के खाते में शासन की मंशा के विरुद्ध पूर्व ग्राम प्रधान बबली गौतम के द्वारा सरकार से आए हुए धन को भेजा गया है। उन्होंने बताया की ममेरे भाई, तहरे भाई, चाचा, ताऊ, ज्येष्ठ व सगे संबंधियों के खाते में लाखों रुपए भेजे गए हैं। इतना ही नहीं पक्का रास्ता बनवाने के नाम पर भी ग्राम पंचायत निधि से लाखों रुपए निकाल लिया गया लेकिन धरातल पर कोई कार्य नहीं हुआ। जिसकी वजह से आम जनता भी परेशान है। उन्होंने बताया की पूर्व ग्राम प्रधान के द्वारा शौचालय योजना में भी फर्जी बाडा. किया गया है। कहा कि शौचालय के नाम पर पूर्व ग्राम प्रधान ने आम जनता को चूना लगाया है।

खुलासा तब हुआ जब जिनके घरों में शौचालय नहीं बने थे वह शौचालय ऑनलाइन करने के लिए जन सेवा केंद्र पहुंचे। तो वहां जन सेवा केंद्र संचालक ने बताया कि आपका शौचालय बन चुका है अब आपको दूसरी बार शौचालय नहीं मिल सकेगा। ग्रामीणों ने कहा कि हमारे यहां तो शौचालय बना ही नहीं तब जन सेवा केंद्र संचालक के द्वारा सूची निकाल कर उनके हाथ में पकड़ा दी गई। पूर्व ग्राम प्रधान के द्वारा लगातार सभी योजनाओं में फजीर्वाड़ा किया गया। मौजूदा ग्राम प्रधान पति ने बताया कि पूर्व ग्राम प्रधान बबीता गौतम ने सचिव के साथ मिलकर जन सेवा केंद्र संचालक के खाते में भी लाखों रुपए भेजे थे। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत ही नहीं बल्कि ग्राम पंचायत से बाहर के लोगों के खाते में भी मोटी धनराशि भेजी गई है। मौजूदा ग्राम प्रधान पति ने बताया कि पूर्व ग्राम प्रधान बबीता गौतम के परिवार के ही सदस्य बागपत के एक कॉलेज में प्रोफेसर हैं, जिनके खाते में भी सरकारी धन लाखों रुपए में भेजा गया है, जिसका खुलासा होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हर हाल में पूर्व ग्राम प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत में किए गए घोटाले का खुलासा किया जाएगा। ताकि भविष्य में कोई भी सरकारी धन में बंदर बांट ना कर सके। मौजूदा ग्राम प्रधान पति ने बताया कि खुद पूर्व प्रधान बबीता गौतम के खाते में तेरह लाख चालीस हजार, पूर्व प्रधान पति बबलू गौतम के खाते में पंद्रह लाख तैंतीस हजार नौ सो अड़सठ रुपए, पूर्व प्रधान बबीता गौतम ने अपने ज्येष्ठ रोहताश के बागपत में तैनात रहते हुए उनके खाते में चेक के द्वारा दो लाख अस्सी हजार रुपए, पूर्व प्रधान बबीता गौतम के पति की गाड़ी पर पूर्व में तैनात ड्राईवर तुलाराम पुत्र बुद्धा निवासीं चकफेरी के खाते में आठ लाख चार हजार चार सो रुपए, पूर्व प्रधान बबीता गौतम ने जनसेवा केंद्र संचालक जोगिंदर निवासी भोगपुरा के खाते में एक लाख उन्चास हजार पांच सो रुपए भेजे। पूर्व प्रधान बबीता गौतम ने अपने सगे भाई के खाते में तीस हजार रुपए भेजे, पूर्व प्रधान बबीता गौतम ने अमित पुत्र भारत व भारत पुत्र मोहन पिता पुत्र के खाते में छ लाख रुपए भेजे। पूर्व प्रधान बबीता गौतम ने अपने मौसेरे भाई के खाते में एक लाख अस्सी हजार सात सो रुपए भेजे गए। पूर्व प्रधान बबीता गौतम ने सगे चचेरे ससुर के खाते में एक लाख पच्चास हजार भेजे। इसी तरीके से पूर्व प्रधान बबीता गौतम के द्वारा सगे संबंधियों के खाते में सरकारी धन भेजा गया। जिसकी जांच होना आवश्यक है। जिससे कि विकास कार्यों के लिए सरकार के द्वारा दिए गए धन की रिकवरी की जा सके।

सहज दुग्ध उत्पादक संस्था लखपति दीदी सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- डीआर रिसोर्ट इस्लामनगर रोड़ बहजोई में सहज दुग्ध उत्पादक संस्था एवं स्वतः रोजगार विभाग के सौजन्य से पशुपालन / दुग्ध उत्पादन हेतु जागरुकता बढाये जाने हेतु तथा लखपति दीदी योजनान्तर्गत दुग्ध उत्पादन विक्रय कार्यों हेतु एक लाख से अधिक आय अर्जित करने वाली दीदियों को पुरुस्कृत एवं दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में जागरूकता बढाये जाने के संबंध में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सहज एक दुग्ध उत्पादकों के स्वामित्व वाली एवं नई पीढ़ी की सहकारिता के सिद्धांतों पर कार्य करने वाली संस्था है। यह उत्तर प्रदेश के 19 जनपदों में कार्य कर रही 132000 सदस्यों वाली सबसे बड़ी संस्था है। संस्था द्वारा आज उन सभी महिला सदस्यों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिन्होंने गत वर्ष एक लाख रुपये से अधिक की दुग्ध आपूर्ति की है। जनपद सम्भल में संस्था के 6300 सदस्य हैं, जिनमें 50% महिलाएं हैं। जनपद की 432 महिला सदस्यों ने एक लाख रुपये से अधिक की दूध आपूर्ति की है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया रहे। जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, परियोजना निदेशक ज्ञान सिंह एवं सहायक आयुक्त (खाद्य) मानवेंद्र सिंह द्वारा संस्था द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की गई एवं "लखपति दीदियों" को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने अपने संबोधन में सहज मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी की सराहना करते हुए कहा कि संस्था अपने सदस्यों को दूध का भुगतान समय पर सीधे उनके खातों में करती है, तथा कई सदस्यों ने ड्ड65 प्रति लीटर दूध मूल्य प्राप्त होने की पुष्टि की है, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने यह भी कहा कि संस्था द्वारा किसानों को मात्र ड्ड7000 में बायो गैस संयंत्र उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसकी वास्तविक लागत ड्ड38,000 है, यह कदम पर्यावरणीय संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में अत्यंत सराहनीय है। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने अपने उद्बोधन में प्लास्टिक मुक्त वातावरण को अपनाने, कीटनाशक रहित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, मुख्यमंत्री निराश्रित बेसहारा गोवंश सहभागिता योजना की उपयोगिता तथा श्री अन्न योजना के लाभों को दैनिक जीवन में शामिल करने की आवश्यकता पर भी बल दिया और उपस्थित सभी को श्री अन्न योजना को जीवन शैली में उतारने की शपथ दिलाई। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा कहा गया कि परिश्रम एवं ईमानदारी से किसी भी व्यवसाय को आगे ले जाया जा सकता है। संस्था के मुख्य कार्यकारी डॉ. प्रफुल्ल भानवाड़िया द्वारा बताया गया कि संस्था अपने दुग्ध उत्पादक सदस्यों के लिए कृत्रिम गभार्धान कार्यक्रम संचालित करती है, उच्च गुणवत्ता वाला पशु आहार उपलब्ध कराती है एवं अगस्त माह से पशु चिकित्सा सुविधा प्रारंभ करने जा रही है। एवं उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने भी संस्था के कार्यों, उद्देश्यों एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी, जिससे उपस्थित सभी लोगों को सहज के समग्र विकास मॉडल को समझने का अवसर मिला। यह संपूर्ण कार्यक्रम सहज मिल्क प्रोड्यूसर लिमिटेड की सम्भल टीम द्वारा भली-भांति एवं सुनियोजित रूप से संचालित एवं सम्पन्न किया गया, जिसमें स्थानीय टीम की सक्रियता और समर्पण स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ।

वन ट्रिलियन डॉलर सेल की समीक्षा बैठक हुई आयोजित

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में वन ट्रिलियन डॉलर सेल की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक का उद्देश्य प्रदेश सरकार के उस संकल्प को आगे बढ़ाना था, जिसमें 2027 तक उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। डीएम ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रत्येक जिले में वन ट्रिलियन डॉलर सेल का गठन किया गया है। इसमें जिले की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाले विभागों को तीन मुख्य क्षेत्रों में बांटा गया है-प्राथमिक क्षेत्र कृषि, पशुपालन, वानिकी, मत्स्य, द्वितीयक क्षेत्र उद्योग, निर्माण, बिजली-गैस और तृतीयक क्षेत्र व्यापार, पर्यटन, परिवहन, वित्तीय सेवाएं। डीएम ने सभी संबंधित विभागों से अपेक्षित कार्यवाही करने और त्रैमासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी द्वारा सभी विभागों से जानकारी एकत्र कर एक बुकलेट तैयार की गई। जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने विभाग से संबंधित त्रुटि रहित डाटा को अपने विभाग में भिजवाना सुनिश्चित करें।

यादव सभा ने की श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारी

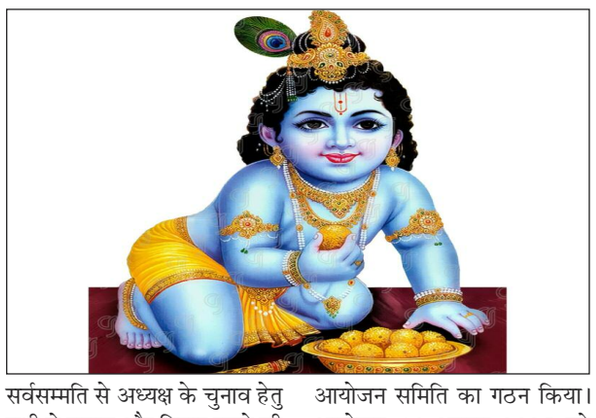

चंदौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- यादव सभा चंदौसी की एक बैठक चंदादेवी मेमोरियल धर्मशाला, बहजोई रोड, चंदौसी में गत वर्षों की भांति भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव को भव्यता और हर्षोल्लास से मनाने हेतु सुझाव और विचार विमर्श हेतु आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जी पी सिंह यादव ने की एवं संचालन ज्ञानेंद्र यादव ने किया। बैठक में सजातीय यादव महानुभावों ने सर्वसम्मति से एडवोकेट राजेश कुमार यादव (पूर्व बार अध्यक्ष) को आयोजन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक की शुरूआत में पूर्व अध्यक्ष सुरेशपाल सिंह यादव (दरोगा बायभूड़) ने बैठक का ऐजेंडा रखा और सर्वसम्मति से अध्यक्ष के चुनाव हेतु सभी से सुझाव और विचार रखने की अपील की। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के आयोजन के अध्यक्ष राजेश कुमार यादव एडवोकेट ने सभी से सहयोग की अपील की और आयोजन समिति का गठन किया। आयोजन 16 अगस्त 2025 को संजीवनी पैलेस, चंदौसी में आयोजित किया जाएगा। बैठक में जी पी सिंह यादव, राजवीर सिंह यादव, शिवम यादव एडवोकेट, राजेश कुमार यादव एडवोकेट, त्रिमोहन सिंह यादव प्रिंसीपल, सुरेशपाल सिंह यादव, श्रीनिवास यादव इंस्पेक्टर, के पी सिंह यादव दरोगा, जयपाल सिंह यादव दरोगा, हरि सिंह यादव दरोगा, महेशपाल सिंह यादव मैनेजर, बलवीर सिंह यदुवंशी, चरन सिंह यादव, शैलेष यादव, सतीश यादव, एडवोकेट बृजेश कुमार यादव, मलखान सिंह यादव, राधेश्याम यादव, राजवीर सिंह यादव लेखपाल, फकीरी सिंह यादव लेखपाल, सत्यवीर सिंह यादव, विजयपाल सिंह यादव, जसवंत सिंह यादव, परवेज यादव, नीरज कुमार यादव, चन्द्रभान सिंह यादव एवं ज्ञानेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा फतेहपुर शरीफ नगर टिकटा रोड़ बहजोई स्थित गेस्टहाउस का किया निरीक्षण

ठेकेदार को स्पष्टीकरण जारी कराते हुए ब्लैक लिस्टेड कराने एवं एफआईआर कराने के दिए निर्देश

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई द्वारा विकासखण्ड बहजोई के ग्राम फतेहपुर शरीफ नगर स्थित गेस्टहाउस का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग द्वारा गुणवत्ताहीन फीनिशिंग आदि निर्माण कार्य तथा अभी तक हेंडओवर न किये जाने को लेकर नाराजगी व्यक्त की तथा अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए गये तथा सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग को चेतावनी जारी करने तथा नोडल प्रभारी पर कार्यवाही के भी निर्देश दिए तथा ठेकेदार को स्पष्टीकरण जारी करते हुए ब्लैक लिस्टेड कराने एवं एफआईआर की कार्यवाही के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा किचन को तैयार कराने , पौधारोपण कराने तथा चहारदीवारी पर फैंसिंग कराने को लेकर भी निर्देशित किया। जिलाधिकारी द्वारा अधिक्षण अभियंता विद्युत को गेस्ट हाउस के फीडर को चेंज कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा की गेस्टहाउस के निर्माण कार्य को एक माह में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा गेस्टहाउस की मासिक समीक्षा को लेकर भी संबंधित को निर्देशित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की हुई बैठक

हापुड़ (सब का सपना):- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति एवं जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक की गयी। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) हापुड़ द्वारा बैठक एजेण्डा के अनुसार बिन्दुवार कार्यवाही प्रारम्भ की गयी जिसमें उपस्थित। अधिकारियों, परिवहन व्यवसायी एवं सड़क सुरक्षा समिति के सदस्यों द्वारा प्रस्तुत तथ्यों पर विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि सर्वे के उपरांत पाये गये 94 टी० और वाई० जंक्शन पर सुधारात्मक कार्यवाही यथाशीघ्र की जाये, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग हापुड़ ने बताया कि जनपद में 19 खडे स्पीड ब्रेकर है, जिनको हटाया जाना है. अगले 20 दिनों में इन पर सुधारात्मक कार्यवाही पूर्ण की जाये, इसके अतिरिक्त जितने अन्य दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र हैं, उनका पुनः परीक्षण कर उन पर अपेक्षित सुधारात्मक कार्यवाही की जाये। और ब्लैक स्पॉट पर हुई सुधारात्मक कार्यवाही का पुनः परीक्षण करा लिया जाये। जनपद के सभी स्कूली वाहनों को स्कूली वाहन मानक के अनुरूप संचालित कराये जाने एवं फिटनेस समाप्त वाहनों को फिटनेस प्राप्त करने हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये। सभी स्कूल प्रबन्धकों/प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया गया कि वह अपनी वाहनों की फिटनेस अनिवार्य रूप से प्राप्त करने के उपरांत ही अपनी वाहनों का संचालन करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया गया कि विद्यालयों में आने वाले छात्र-छात्राएं एवं अभिभावकों को सीटबेल्ट एवं हेलमेट लगाये जाने के प्रति जागरूक किया जाये, साथ ही परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा विद्यालयों में सीटबेल्ट एवं हेलमेट न लगाये जाने के विरूद्ध नियमित प्रवर्तन कार्यवाही की जाये। अन्त में रमेश कुमार चौबे, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) हापुड़ द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए, बैठक समाप्त की गयी। जिसमें शैलेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग हापुड़, सुनील गुप्ता उप मुख्य चिकित्साधिकारी हापुड़,राहुल यादव, क्षेत्राधिकारी (यातायात) हापुड़, रमेश कुमार चौबे, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) हापुड़,आशुतोष उपाध्याय यात्री/मालकर अधिकारी हापुड़, डा० स्वेता पूठिया, जिला विद्यालय निरीक्षक हापुड़, रितु तोमर बेसिक शिक्षा अधिकारी, हापुड़,ललित एम० तिवारी, जी०एम० एन०एच०ए०आई० मुरादाबाद, अरविन्द कुमार प्रोजेक्ट डायरेक्टर एन०एच०ए०आई० मुरादाबाद-गाजियाबाद, विक्रम सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर एन०एच०ए०आई० मेरठ-बुलन्दशहर,अनिल कुमार शर्मा, प्रोजेक्ट हैड, अंकुल कुमार, एस०ई० एन०एच०ए०आई० गाजियाबाद, छविराम यातायात निरीक्षक हापुड़, मौ० दानिश कुरैशी चैयरमैन डा० ए०पी० जे० अब्दुल कलाम वेलफेयर सोसायटी,देवेन्द्र उपाध्याय, अभिषेक ट्रांसपोर्ट, बस यूनियन हापुड़, जनपद के विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्य/प्रबन्धक, विभिन्न स्कूलों के ट्रांसपोर्ट इंचार्ज, तथा सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

फेस्टिवल नाईट और तीज महोत्सव कार्यक्रम आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के बिजनौर रोड स्थित स्थानीय वेंकट हाल में रोटरी क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम में रोटेरियन डॉ0 जी0 पी0 सिंह और रोटेरियन डॉ0 सरल राघव को वर्ष 2024-25 के लिए "डायनामिक रोटेरियन ऑफ डिस्ट्रिक्ट" अवार्ड से डिस्ट्रिक्ट 3100 के वर्ष 2027-28 के रोटरी गवर्नर रो0 डॉ0 काव्य सौरभ रस्तोगी ने प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। दिनांक 26 जुलाई 2025 की देर रात्रि में बिजनौर रोड स्थित निशा पैलेस में रोटरी क्लब अमरोहा द्वारा आयोजित फेस्टिवल नाईट और तीज महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3100 के वर्ष 2027-28 के गवर्नर रो0 डॉ0 काव्य सौरभ रस्तौगी थे। रोटरी में अपनी सेवाओं और अच्छे कार्यो के लिए रोटरी क्लब अमरोहा के दो वरिष्ठ रोटेरियन डॉ0 जी0 पी0 सिंह और डॉ0 सरल राघव को गत वर्ष के रोटरी गवर्नर दीपा खन्ना के कार्यकाल के लिए चयनित किया गया था। विगत रात्रि में आयोजित हुए रोटरी कार्यक्रम में दोनों को वर्ष 2027-28 डिस्ट्रिक्ट 3100 के गवर्नर रो0 डॉ0 काव्य सौरभ रस्तोगी ने प्रतीक चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। रोटरी क्लब अमरोहा के लिए सम्मान की बात है। डॉ0 सरल राघव पिछले 37 वर्षों से रोटरी क्लब के विभिन्न पदों पर रहकर रोटरी में सेवा कर रहे हैं और पी एच एफ हैं। इसी प्रकार डॉ0 जी0 पी0 सिंह भी पिछले 10 वर्षों से रोटरी से जुड़े हैं। डॉ0 सिंह तीन बार रोटरी क्लब अमरोहा के अध्यक्ष रह चुके हैं और यह भी पी एच एफ हैं तथा गत वर्षों में तथा वर्तमान में भी दोनों रोटेरियन डिस्ट्रिक में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर रहे हैं। दोनों ही इस अवार्ड को पाकर खुश हैं। रो0 डॉ0 जी0 पी0 सिंह का कहना है कि रोटरी मानव सेवा के लिए सदैव ततपर है। इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष कुंवर विनीत अग्रवाल, सचिव मनु कमल गुप्ता, स0 जितेंद्र सिंह, अजय चतुर्वेदी, रवि माहेश्वरी, आशीष गोयल, विशाल गोयल, नरेश सिद्ध, अभय आर्य, संजय मालीवाल, अमित मोहन गोयल, स0 चरणजीत सिंह, नवीन अग्रवाल आदि ने दोनों रोटेरियन को बधाई दी है।

जिलाधिकारी ने निमार्णाधीन मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय का किया निरीक्षण

सम्भल/बहजोई (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया द्वारा विकासखण्ड बहजोई के ग्राम आनंदपुर में निमार्णाधीन मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालय का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने सीमेंट एवं रोड़ी एवं अन्य व्यवस्थाओं को चेक किया तथा रोड़ी की गुणवत्ता के संबंध में जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि रोड़ी को सहायक अभियंता आर ई डी को चेक कराते हुए प्रयोग किया जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण सामग्री का ही प्रयोग हो यह सुनिश्चित किया जाए। निर्माण कार्य की साप्ताहिक रिपोर्ट एवं जियो टैग फोटो अधोहस्ताक्षरी को प्रेषित करना सुनिश्चित किया जाए। ट्यूबवेल वाले स्थान को रेनवाटर हार्वेस्टिंग के रूप प्रयोग किया जाए। अधिक्षण अभियंता विद्युत विभाग एवं निर्माण कारी संस्था यूपी सिड़को को विद्युत तारों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विद्यालय तक जाने वाले मार्ग को मनरेगा के माध्यम से चौडीकरण करने के लिए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आर टी आई परिषद की मासिक समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आर टी आई परिषद भारत की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव एडवोकेट की अध्यक्षता व जिला अध्यक्ष संजय कुमार चौहान की उपस्थिति में एस एस पी एस एकेडमी रज्जोहा में किया गया। बैठक का संचालन राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार शर्मा एडवोकेट ने किया। बैठक में भ्रष्टाचार पर अंकुश आर टी आई लगाकर खुलासा करना परिषद का विस्तार, फ्री राशन बंद करने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में कहा गया कि डेढ़ लाख की बाइक तथा 50हजार का मोबाइल लेकर राशन लेने जाता है तो बह कैसे गरीब कैसे हो सकता है। राशन डुकान पर विक जाता है उस राशन को लाने के बाद कोई नहीं खाता। फ्री का राशन बंद कर शिक्षा फ्री की जाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव एडवोकेट ने पदों की घोषणा की। संगीता गर्ग महिला मोर्चा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार प्रदेश महा मंत्री गौरव अग्रवाल मंडल अध्यक्ष मेरठ मंडल महा मंत्री मेरठ जिला अध्यक्ष हापुड़ उमेश राणा प्रदेश सचिव उत्तर प्रदेश डॉ चंद्रपाल सैनी अमित गर्ग अंकुर गर्ग पंकज गर्ग तनुज गोयल अरविंद श्री वास्तव आदि ब्रह्मानंद रूपेंद्र पाल सुनील कुमार शर्मा नरेंद्र कुमार आदि की घोषणा की गई। इस दौरान बैठक में राष्ट्रीय सचिव नेमपाल यादव एडवोकेट अनुपम त्यागी प्रदेश प्रभारी जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा विजय परछा जावेद चौधरी संजय चौहान सरदार हरिश्चंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

स्कूल बचाओ अभियान बना जन आंदोलन

ढपोरशंखों को जगाओ, शंख बजाओ के नारे के साथ आप का जोरदार प्रदर्शन

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों को बंद करने के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने शनिवार को प्रदेशव्यापी प्रदर्शन कर सरकार को घेर लिया। पार्टी ने ढपोरशंखों को जगाओ, शंख बजाओ, स्कूल बचाओ अभियान के तहत अमेठी समेत समूचे प्रदेश में जगह-जगह शंख और थाली बजाकर विरोध दर्ज कराया। जिला मुख्यालय पर हुए विरोध प्रदर्शन में आप जिला अध्यक्ष हरिशंकर जायसवाल ने कहा कि योगी सरकार 27,000 सरकारी स्कूल बंद कर रही है और 27,308 शराब की दुकानें खोल चुकी है। यह स्पष्ट करता है कि सरकार की प्राथमिकता बच्चों की शिक्षा नहीं, शराब की बिक्री है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, यह डबल इंजन की नहीं, ढपोरशंखों की सरकार है जो बच्चों को अनपढ़ बनाकर वोट बैंक बनाए रखना चाहती है। कार्यकताओं ने जिले के ल्.अ.छ गेट स्थित बंद प्राथमिक विद्यालय के सामने इकट्ठा होकर शंख-थाली बजाई और सरकार को जगाने का

प्रतीकात्मक प्रयास किया। विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक, बच्चे और पार्टी पदाधिकारी शामिल हुए। आप सांसद एवं प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के आवाहन पर किया गया यह प्रदर्शन पार्टी की राज्यव्यापी मुहिम का हिस्सा था, जिसमें सरकार से मांग की गई कि वह सरकारी स्कूलों को बंद करने का निर्णय तुरंत वापस ले। जायसवाल ने बताया कि हाईकोर्ट की डबल बेंच ने फिलहाल कुछ स्कूलों को बंद करने की प्रक्रिया पर रोक लगाई है, लेकिन यह आंशिक राहत है। यदि जनता ने आवाज नहीं उठाई, तो सरकार दोबारा स्कूलों को बंद करने की कोशिश करेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ न करें, और स्कूल बंद करने का आदेश तत्काल वापस लिया जाए। आम आदमी पार्टी 2 अगस्त को लखनऊ के इको गार्डन में "स्कूल बचाओ आंदोलन" करेगी। जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पार्टी ने नंबर 75 0004 0004 जारी कर आम जनता से मिस्ड कॉल करके समर्थन देने की अपील की है। प्रदर्शन में शामिल प्रमुख चेहरे जिला प्रभारी अतुल सिंह, प्रदेश प्रभारी सभाजीत सिंह, यूथ विंग प्रदेश महासचिव अंकित परिहार, जिला महासचिव धर्मेंद्र नाथ शुक्ला, जिला शाह प्रभारी शिवप्रसाद कश्यप, महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष पूजा वर्मा, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुनव्वर अली सैफी, व्यापार प्रकोष्ठ अध्यक्ष सतीश श्रीवास्तव, नगर अध्यक्ष घनश्याम सोनी, उपाध्यक्ष पवन सरोज, धर्मेश मिश्रा, तिलोई अध्यक्ष अशोक सिंह, डॉक्टर मलखान सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मौसम ने बदला मिजाज, अमेठी में रातभर तेज बारिश, गर्मी से मिली राहत किसानों के चेहरे खिले -

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- जिले में मौसम ने अचानक करवट ली है। रविवार रात तेज बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे आमजन को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली है। सबसे ज्यादा खुशी जिले के किसानों में देखी जा रही है। धान की रोपाई का समय चल रहा है, और बारिश की कमी के चलते किसान चिंतित थे। लेकिन रातभर हुई झमाझम बारिश ने उनकी उम्मीदों को फिर से जगा दिया है। अब खेतों में पानी भर गया है, जिससे धान की रोपाई का काम तेजी से शुरू हो सकेगा। किसानों को अब निजी नलकूपों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे डीजल और बिजली की लागत भी बचेगी। किसानों का कहना है कि यह बारिश उनके लिए संजीवनी साबित हो रही है। खेतों में पानी दिखने लगा है और अब वे निश्चिंत होकर धान की रोपाई कर सकेंगे। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अगले कुछ दिन इसी तरह बारिश होती रही, तो जिले में खरीफ फसल की बुआई और उत्पादन दोनों ही बेहतर रहेंगे।

अमेठी के जिलाधिकारी संजय चौहान और उनकी पुत्री कु0 ऋषिका चौहान ने शूटिंग में फिर लहराया परचम

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- 23 जुलाई से 28 जुलाई 2025 तक दिल्ली स्थित डॉक्टर कर्णी सिंह अन्तर्राष्ट्रीय शूटिंग रेंज में आयोजित 28 वें प्री यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में अमेठी के जिलाधिकारी संजय चौहान (क्अर) ने मास्टर्स और सिविल सर्वेंट श्रेणी के ट्रैप शूटिंग इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण पदक और एक रजत पदक जीतकर स्टेट ट्रॉफी अपने नाम की। इसी प्रतियोगिता में उनकी पुत्री कुमारी ऋषिका चौहान, जो वर्तमान में कानपुर विश्वविद्यालय की छात्रा हैं, ने ट्रैप शूटिंग इवेंट में रजत पदक जीतकर जिले और अपने परिवार का नाम रोशन किया। यह उल्लेखनीय है कि यह उपलब्धि पिता-पुत्री की जोड़ी द्वारा लगातार तीसरे वर्ष भी बरकरार रखी गई है। अब दोनों खिलाड़ी आगामी माह में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने की तैयारी कर रहे हैं।

जनपद पुलिस द्वारा पैदल गश्त करते हुए संदिग्धों की चेकिंग की गयी

अमेठी (सब का सपना) आदित्य बरनवालः- शांति, सुरक्षा तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु आज को पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी शैलेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में, मिशन शक्ति नारी सुरक्षा/नारी सम्मान/नारी स्वावलंबन के दृष्टिगत महिलाओं व बालिकाओं में सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण तथा आमजनमानस में विश्वास व सुरक्षा का वातावरण बनाने के उद्देश्य से जनपद के थानों द्वारा पुलिस बल के साथ अपने-अपने थानाक्षेत्र में भीड़भाड़ एवं संवेदनशील स्थानों पर पैदल गश्त किया गया तथा विशेष चेकिंग अभियान चलाकर मुख्य मार्गों, हाइवे, चौराहों, रेलवे स्टेशन एवं शराब की दुकानों के आसपास संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग की गयी।

प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक बास्केटबाल प्रतियोगिता हेतु जिला एवं मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स का होगा आयोजन

अमेठी(सब का सपना)आदित्य बरनवालः- शासन के निर्देश के क्रम में उप क्रीड़ा अधिकारी शमीम अहमद ने बताया कि वर्ष 2025-26 में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर महिला फुटबाल/कबड्डी/जिम्नास्टिक एवं प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक बास्केटबाल प्रतियोगिता के आयोजन हेतु जिला एवं मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर महिला फुटबाल प्रतियोगिता जिला स्तर पर 29.07.2025 को, मण्डल स्तर पर अयोध्या में 31.07.2025 को तथा प्रदेश स्तर दिनांक 01 से 08 अगस्त, 2025 तक वाराणसी में, प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता जिला स्तर पर 29.07.2025 को, मण्डल स्तर पर अयोध्या में 30.07.2025 को तथा प्रदेश स्तर पर दिनांक 04 से 06 अगस्त, 2025 तक आगरा में, प्रदेशीय स्तरीय समन्वय सीनियर महिला जिम्नास्टिक प्रतियोगिता जिला स्तर पर 29.07.2025 को मण्डल स्तर पर 30.07.2025 को अयोध्या में तथा प्रदेश स्तर पर दिनांक 04 से 06 अगस्त 2025 तक आगरा में, प्रदेशीय स्तरीय समन्वय जूनियर बालक बास्केटबाल प्रतियोगिता जिला स्तर पर 29.07.2025 को, मण्डल स्तर पर 30.07.2025 को अयोध्या में तथा प्रदेश स्तर पर दिनांक 02 से 05 अगस्त, 2025 तक आगरा में आयोजित होंगे। उक्त खेल का जिला स्तर चयन/ट्रायल्स उक्त तिथि को सायं 04.00 बजे डॉ० भीमराव अम्बेडकर स्टेडियम. अमेठी में आयोजित कराया जायेगा। खिलाड़ियों को प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित आयु प्रमाण-पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार कार्ड की छायाप्रति साथ लाना अनिवार्य है।

कौन होगा दिल्ली का अगला पुलिस कमिश्नर? सस्पेंस के बीच दौड़ में सबसे आगे ये नाम; सिर्फ 3 दिन का इंतजार

नई दिल्ली। पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा का कार्यकाल अब महज तीन दिन ही शेष बचा है। पुलिस महकमे में इसको लेकर चर्चा तेज हो गई है कि अगला पुलिस आयुक्त कौन होगा? क्या इस बार भी केंद्र सरकार बाहरी कादर से किसी वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी को नियुक्त करेगी या फिर यूटी कादर के किसी अधिकारी को यह जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इस पर अभी सस्पेंस बना हुआ है। तमिलनाडु कादर के 1988 बैच के आइपीएस अधिकारी संजय अरोड़ा का कार्यकाल 31 जुलाई को समाप्त हो रहा है। वे अगस्त 2022 में दिल्ली के पुलिस आयुक्त नियुक्त किए गए थे। इससे पहले वे भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक रह चुके हैं। बताया गया कि जी-20 शिखर सम्मेलन की सुरक्षा को सफलतापूर्वक संचालित करने में उनकी बड़ी भूमिका रही है। वर्तमान परिस्थितियों में उनके सेवा विस्तार की भी चर्चाएं हैं, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। बाहरी कादर के दो नाम सबसे आगे यदि इस बार भी बाहरी कादर से नियुक्ति होती है, तो दो नाम प्रमुखता से चर्चा में हैं- पहला नाम ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह (जीपी सिंह) का है। वह असम कादर के 1991 बैच के अधिकारी हैं और वर्तमान में सीआरपीएफ के डीजी हैं। वे असम के डीजीपी भी रह चुके हैं। बताया जा रहा है कि उनके नाम की सिफारिश असम के मुख्यमंत्री की ओर से की गई है। दूसरा नाम शत्रुजीत कपूर का है। वह हरियाणा कादर के 1990 बैच के अधिकारी हैं और वर्तमान में हरियाणा के डीजीपी हैं। उनके नाम की सिफारिश हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा की गई है।

'रोजगार पाने तक रखरखाव भत्ते की हकदार उच्च शिक्षित महिला, दिल्ली हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली। पारिवारिक कोर्ट के निर्णय बरकरार रखते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि एक उच्च शिक्षित महिला जब तक रोजगार या आय का स्रोत विकसित करने में सक्षम नहीं हो जाती तब तक वह पति द्वारा सहायता पाने की हकदार है। अदालत ने कहा कि निश्चित तौर पर उच्च योग्यता प्राप्त महिला को प्रयास करने पर नौकरी मिल सकती थी, लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि वह वर्तमान में नौकरी नहीं कर रही है। अदालत ने कहा कि यह भी नहीं कहा जा सकता है कि उसने जानबूझकर नौकरी छोड़ी थी, क्योंकि उसे शादी के बाद ऑस्ट्रेलिया जाने पर नौकरी छोड़नी पड़ी थी। पति ने पारिवारिक न्यायालय के आदेश को दी थी चुनौती परिवार न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली पति की याचिका को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि भरण-पोषण का आदेश केवल अंतरिम था, इसका तात्पर्य यह था कि अंतरिम भरण-पोषण आदेश आय के हलफनामे पर विचार करने के बाद, दोनों पक्षों की वित्तीय क्षमता और जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए बनाया जाएगा। पीठ ने कहा कि अंतरिम भरण-पोषण आदेश अंतरिम भरण-पोषण आवेदन पर निर्णय होने तक महिला को तत्काल राहत प्रदान करता है। अपीलकर्ता ने एक लाख रुपये का अंतरिम रखरखाव देने का निर्देश देने संबंधी पारिवारिक न्यायालय के आदेश को चुनौती दी। अपीलकर्ता पति ऑस्ट्रेलियाई नागरिक है उसने तर्क दिया कि प्रतिवादी शैक्षिक महिला है और उसने स्वेच्छा से काम न करने का फैसला किया था।

दिल्ली वक्फ बोर्ड घोटाला: आप विधायक अमानतुल्लाह खान की बढ़ी मुश्किल, सीबीआई मामले में आरोप तय

नई दिल्ली। दिल्ली वक्फ बोर्ड में नियुक्तियों में अनियमितताओं से जुड़े मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) से विधायक अमानतुल्लाह खान और 10 अन्य आरोपितों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज किया गया था। कोर्ट ने अमानतुल्लाह खान पर आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 के तहत आरोप तय किए हैं। जांच एजेंसी ने 31 अगस्त 2022 को आरोपपत्र दाखिल किया था। नियमों को ताक पर रखकर की गई नियुक्तियां आरोपपत्र के मुताबिक, अमानतुल्लाह ने दिल्ली वक्फ बोर्ड के चेयरमैन के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए 2016 से 2021 के बीच नियमों को ताक पर रखकर कई अवैध नियुक्तियां की। जांच एजेंसी का कहना है कि इन नियुक्तियों में न तो कोई विज्ञापन निकाला गया और न ही पात्रता मानकों का पालन किया गया। सीबीआई ने इस मामले में कुल 11 लोगों को आरोपित बनाया है, जिनमें वक्फ बोर्ड से जुड़े कर्मचारी और फायदा पाने वाले व्यक्ति शामिल हैं। एजेंसी का कहना है कि यह भर्ती प्रक्रिया एक पूर्व नियोजित साजिश के तहत की गई थी, जिससे सरकारी पदों का दुरुपयोग हुआ। क्या है मामला यह मामला सबसे पहले 2016 में सामने आया था और तभी से इसकी जांच जारी है। सीबीआई अपनी जांच में पाया कि अमानतुल्लाह ने अपने पद का फायदा उठाकर नियमों को दरकिनार किया और अपने पसंदीदा लोगों को लाभ पहुंचाया। फिलहाल, सभी आरोपितों पर आरोप तय होने के बाद अब इस मामले की नियमित सुनवाई शुरू होगी।

कन्हैया लाल हत्याकांड पर बनी उदयपुर फाइल्स में लगे छह कट, दिल्ली हाईकोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली। कन्हैया लाल की हत्या पर आधारित उदयपुर फाइल्सः कन्हैया लाल टेलर मर्डर के निमार्ताओं ने सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट को सूचित किया कि फिल्म में छह कट लगाए गए हैं और फिल्म का पुनः प्रमाणन अभी लंबित है। वहीं, इस पर पीठ ने मामले की सुनवाई 30 जुलाई के लिए निर्धारित कर दी। अदालत जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी और मोहम्मद जावेद (कन्हैया लाल हत्याकांड के एक आरोपी) द्वारा फिल्म की रिलीज पर आपत्ति जताने वाली याचिकाओं पर विचार कर रही है। वहीं, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के प्रसारण पर रोक लगाने से इनकार करते हुए याचिकाकताओं को हाईकोर्ट से संपर्क करने का निर्देश दिया था। 25 जुलाई को सर्वोच्च न्यायालय ने फिल्म की रिलीज पर आपत्ति जताने वाले पक्षों से कहा था कि वे केंद्र के पुनरीक्षण आदेश को चुनौती देने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट जाएं। केंद्र सरकार ने छह कट लगाने के साथ फिल्म के प्रसारण को मंजूरी दी गई थी।

लोन देने का झांसा देकर शख्स से ठगे चार लाख रुपये, पुलिस रकम ट्रांसफर होने वाले बैंक खातों की कर रही जांच

पूर्वी दिल्ली। श्रीराम कॉलोनी में लोन देने के नाम पर एक शख्स से चार लाख रुपये का धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। ठगों ने बैंक का प्रतिनिधि बनकर वारदात को अंजाम दिया। यह वारदात उस वक्त हुई जब पीड़ित द्वारा पटना के एचडीएफसी बैंक द्वारा लोन निरस्त कर दिया गया था। पीड़ित कमलेश पांडेय की शिकायत पर उत्तर पूर्वी जिले साइबर थाना ने ठगी की प्राथमिकी की है। पुलिस उन बैंक खातों की पड़ताल कर रही है जिसमें रकम गई थी। बैंक ने आवेदन निरस्त कर दिया कमलेश पांडेय अपने परिवार के साथ श्रीराम कॉलोनी में रहते हैं। वह मूलरूप से बिहार के रहने वाले हैं। उन्हें रुपयों की जरूरत थी। सितंबर 2024 में पटना स्थित एचडीएफसी बैंक में लोन के लिए आवेदन किया था। कुछ दिनों के बाद बैंक ने आवेदन निरस्त कर दिया। चार जनवरी 2025 में उन्हें अज्ञात नंबर से काल आई। कॉल करने वाले ने उनसे कहा कि वह दरियागंज स्थित एचडीएफसी बैंक शाखा से बात कर रहा है। ठग ने व्हाट्सएप्प नंबर पर एक लिंक भेजा पीड़ित का दावा है कि काल करने वाले उन्हें उनका बैंक खाता नंबर, कस्टमर आईडी, क्रेडिट कार्ड नंबर, पैन कार्ड समेत अन्य जानकारी बताई। इसके बाद पीड़ित को उसपर यकीन हो गया कि वह बैंक से ही बात कर रहा है। ठग ने पीड़ित के व्हाट्सएप्प नंबर पर एक लिंक भेजा। पीड़ित को संदिग्ध लगा तो उसने उसपर क्लिक नहीं किया। उन्होंने कॉल भी काट दी और ऑनलाइन बैंकिंग के जरिये खाते की जांच की तो कोई रकम नहीं कटी थी। अगले दिन फिर से एक अज्ञात नंबर से फोन आया। काल करने वाले ने लोन लेने की बात की। पीड़ित ने बात सुनकर फोन काट दिया। कुछ देर के बाद पीड़ित के बैंक खाते से चार लाख रुपये कट गए।

ओडिशा से ड्रग्स लोकर दिल्ली-एनसीआर में बेचने वाले तीन तस्कर गिरफ्तार, 41 लाख रुपये की कीमत का 34.4 केजी गांजा बरामद

नई दिल्ली। मध्य जिले की एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने अंतरराज्यीय ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करते हुए मास्टरमाइंड सहित तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 34.4 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है जिसकी बाजार में कीमत करीब 41 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा परिवहन में इस्तेमाल की जाने वाली कार भी जब्त की है। आरोपितों की पहचान बिहार सुपौल के विनोद, मणि भूषण और दिल्ली कोटला मुबारकपुर के कौशल कुमार के रूप में हुई है। सफेद स्विफ्ट डिजायर टैक्सी को रोका इस संबंध में उपायुक्त निधिन वालसन के मुताबिक, शनिवार तड़के टीम को ओडिशा से दिल्ली की ओर ड्रग्स की एक खेप की आवाजाही के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने राजघाट डीटीसी बस डिपो के पीछे लूप रोड के पास जाल बिछाया, जहां एक सफेद स्विफ्ट डिजायर टैक्सी को रोका गया। गांजा दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में करते थे सप्लाई वाहन में विनोद, मणि भूषण और कौशल कुमार नामक तीन व्यक्ति 34.4 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाले गांजे के साथ सवार थे। बाद में चालक कौशल कुमार की पहचान इस ऑपरेशन के मास्टरमाइंड के रूप में हुई। गांजा दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में वितरित किया जाना था। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार करते हुए गांजा और कार जब्त कर ली। पुलिस उनसे पूछताछ कर गिरोह में शामिल अन्य तस्करों की तलाश में जुटी है। गैंग के अन्य मेम्बर्स का करेंगे खुलासा पुलिस अब इन तीनों से पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। पुलिस ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही इस गैंग में शामिल अन्य ड्रग पैडलर्स आदि का भी खुलासा होगा। पुलिस खासकर यह जानना चाहती है कि दिल्ली में इनसे ड्रग्स लेकर आमजनों तक पहुंचाने वाले कौन हैं। पुलिस नशे के कारोबार में लिप्त ऐसे लोगों पर कार्रवाई करने के लिए योजना बना रही है।

हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस से मांगा जवाब, आसिफ इकबाल ने आदेश के खिलाफ दायर की थी याचिका

नई दिल्ली। जामिया नगर इलाके में सीएए विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हिंसा से संबंधित एक मामले में आरोप तय किए जाने के आदेश को आसिफ इकबाल तन्हा ने दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। याचिका पर हाईकोर्ट ने नोटिस जारी कर दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। ट्रायल कोर्ट ने सात मार्च को तन्हा के विरुद्ध आरोप तय किए थे। अदालत ने तन्हा के साथ शरजील इमाम सहित सह-आरोपितों की याचिकाओं को 30 अक्टूबर के लिए तय कर दिया। ट्रायल कोर्ट ने इमाम, तन्हा और नौ अन्य लोगों के खिलाफ मामले में आरोप तय किए थे। अदालत ने रिकॉर्ड पर लिया था कि शरजील इमाम का बयान न केवल भड़काने वाला था, बल्कि हिंसा भड़काने की एक बड़ी साजिश का सरगना भी था।

दर्दनाक सड़क हादसा, ट्रक और कार की जबरदस्त टक्कर, 4 लोगों की मौके पर मौत

हिसार / हिसार में ट्रक और कार की जबरदस्त टक्कर में 4 लोगों की मौके पर मौत हो गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य हस्पताल भेजा गया है।रविवार देर रात भयानक सड़क हादसे में 4 लोगों की मौके पर मौत हो गई। फिलहाल इस पूरे मामले की पुलिस जांच कर रही है। हादसे के बाद ट्रक चालक फरारः यह पूरी घटना हिसार के अग्रोहा थाना क्षेत्र की है।नंगथला गांव के एक ट्रक और क्रेटा कार की जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे में 4 लोगों की मौके पर मौत हो गई। निकटवर्ती गांव किरोडी निवासी राममेहर, रविंद्र, प्रवीण और राजली निवासी राजू एक कार में सवार हो कर किरोडी से अग्रोहा जा रहे थे। इस बीच सामने से आ रहे एक ट्रक की उनकी कार से टक्कर हो गई।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही राममेहर, रविंद्र, प्रवीण और राजू की मौत हो गई। वहीं, हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। पुलिस की मानें तो घटना नगथला बस अड्डा के पास की है। दुर्घटना के बाद क्रेटा कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। चारों शव गाड़ी में फंस गए।जिस ट्रक के साथ कार की टक्कर हुई थी, वह खाद से भरा हुआ था।मृतक राजू तीज के त्यौहार पर अपनी बहन को कोथली देकर वापस लौट रहा था।उसके तीन दोस्त उसके साथ थे,चारों की हादसे में मौत हो गई। वहीं, घटना की जानकारी के बाद परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। इस पूरे मामले में पुलिस जांच कर रही है। मरने वालो में तीन शादीशुदा थे। पोस्टमार्टम के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

नलवा में करोड़ों रूपए के विकास कार्य प्रगति पर-रणधीर पनिहार

हिसार / भारतीय जनता पार्टी नलवा से विधायक रणधीर पनिहार ने स्थानीय आर्य नगर में हलकावासियों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से बातचीत करके उन्हें दूर करने का प्रयास किया। इस दौरान उन्होंने गांव में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का जायजा भी लिया और ग्रामीणों को आगामी विकास कार्यों बारे विस्तृत जानकारी भी दी। विधायक ने कहा कि नलवा के चहुंमुखी विकास के लिए प्रदेश की जनहितैषी भाजपा सरकार में बजट की कोई कमी नहीं है। पूर्व सांसद चौ. कुलदीप बिश्नोई के साथ मिलकर हलके में विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में एक साल का भी वक्त नहीं हुआ है, लेकिन नलवा में करोड़ों रूपए के बिजली, पानी, सीवरेज, चौपाल, ढाणियों में रास्ते निर्माण सहित अनेक विकास कार्य प्रगति पर हैं। रणधीर पनिहार ने कहा कि जनप्रिय मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हर वर्ग, हर बिरादरी के हितों को ध्यान में रखकर नीतियां लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों में जब छात्रों के पेपर होते थे तो उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री जी के आह्वान पर जो दो दिनों से सीईटी के पेपर के लिए इंतजाम किए गएं, वे काबिलेतारीफ हैं। इसके लिए प्रशासन भी बधाई का पात्र है कि उन्होंने किसी भी छात्र, छात्रा या महिला को परेशानी नहीं आने दी। उन्होंने कहा कि चुनाव के वक्त उन्होंने व कुलदीप बिश्नोई ने हलके की जनता से वादा किया था कि विकास में कोई कमीं नहीं आने दी जाएगी। हलके की जनता ने चुनाव में जो आशीर्वाद मुझे दिया है, उस पर वे सदैव खरा उतरेंगे। दिन हो या रात हर समय वे हलकावासियों की दुख-तकलीफों को दूर करने तथा नलवा के चहुंमुखी विकास के लिए प्रयासरत रहते हैं। उन्होंने बताया कि कहा कि जल्द ही आर्य नगर में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उनके साथ मौजूद थे।

श्री श्याम गौशाला मिंगनी खेड़ा में मनाया गया तीज का उत्सव

हिसार / श्री श्याम गौशाला मिगंनी खेड़ा में हरियाली तीज महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया शहर से पहुंची महिलाओं ने भजन कीर्तन करके नृत्य करके झूला झूल के इस पर्व का खूब आनंद लिया। इस मौके पर डॉ. ललीता राजवंशी ने कहा कि हमारे त्यौहार हमारी संस्कृति की पहचान है। त्यौहार हमारे जीवन में नया उत्साह लेकर आते हैं। हमें अपने त्यौहारों को पूरी रीति-रिवाज और उत्साह से मनाना चाहिए ताकि आने वाली पीढिड़ों के लिए हमारी परंपरा यूं ही चलती रहे। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉक्टर अनीता गोस्वामी, डॉक्टर ललीता राजवंशी, मंजू गर्ग, संगीता गुप्ता, दर्शना बंसल, कांता गोयल, सुनीता गर्ग, मंजू,उर्मिल, पूनम सिंगला व दर्शना महाजन आदि ने इस कार्यक्रम में शिरकत की।

त्यौहार हमारी आस्था, श्रद्धा, परंपरा और संस्कृति के प्रतीकः संतोष कुमारी

हिसार / चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरियाली तीज उत्सव पर फैकल्टी क्लब द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हकृवि की महिला सदस्यों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की धर्मपत्नी एवं कैंपस स्कूल की निदेशिका संतोष कुमारी ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को तीज त्यौहार की शुभकामनाएं दी। मुख्य अतिथि संतोष कुमारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि त्यौहार हमारी आस्था, श्रद्धा, परंपरा और संस्कृति का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि तीज का त्यौहार उत्तर भारत में बहुत लोकप्रिय है। यह त्यौहार विशेष कर महिलाओं द्वारा बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यह त्यौहार लहलाती प्रकृति और प्रेम के रंगों को समेटे हरियाली तीज अखंड सौभाग्य एवं परिवार की कुशलता के लिए किया जाने वाला व्रत है। मान्यता है कि सौभाग्यवती महिलाएं अपने सुहाग को अखंड बनाए रखने के लिए यह व्रत करती है। ऐसा माना जाता है कि सबसे पहले यह व्रत माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए रखा था। उन्हीं का अनुसरण करते हुए महिलाएं माता पार्वती और शिवजी जैसा दाम्पत्य जीवन पाने के लिए यह व्रत करती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में विभिन्न धर्मो के लोग आपसी प्यार-प्रेम के साथ रहते हैं। सभी नागरिक देश में त्यौहार को बड़ी धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। जिससे आपसी भाईचारे के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता की भावना का भी संचार होता है। उन्होंने महिलाओं के साथ मिलकर झूला- झूला और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनन्द लिया। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान फैकल्टी क्लब परिसर में पौधरोपण किया और महिलाओं से पौधारोपण करने का अनुरोध भी किया। तीज उत्सव के दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. वीनू सांगवान ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. संध्या शर्मा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार की धर्मपत्नी डॉ. मीना सहित विश्वविद्यालय की महिलाओं ने भाग लिया।

सावन महीने में भूमि आश्रम में किया हवन

हिसार / भूमि आश्रम में सावन महीने के उपलक्ष में आश्रम में रह रहे बुजुर्गो के लिए वैदिक यज्ञ करवाया गया। मॉडल टाऊन स्थित आर्य समाज की सदस्य व स्त्री आर्य समाज की प्रधान सुमन बत्रा ने बताया कि वैदिक यज्ञ कार्यक्रम 15 दिनों से चल रहा था। हमने घर-घर जाकर हवन किये और इसी के साथ भूमि आश्रम में भी हवन किया गया। हवन सूर्यदेव शास्त्री द्वारा विधि-विधान से करवाया गया और इस यज्ञ में यजमान भूमि आश्रम के संचालक मुकेश जांगड़ा रहे। सूर्यदेव शास्त्री ने बताया कि अगर यज्ञ पूरी विधि-विधान के साथ किया जाए तो जितनी भी नकारात्मक ऊर्जा है, वह नष्ट होती है और सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है। इस यज्ञ से भूमि आश्रम में रह रहे सभी बाबाओं के चेहरों पर मुस्कान दिखाई दे रही थी। प्रधान सुमन बत्रा ने बताया कि भूमि आश्रम में सभी बाबाओं से मिलकर मन गदगद हो गया और यहां आकर अलग ही अनुभूति हुई। आये हुए अतिथियों को पटका पहनाकर सम्मान किया गया। सबने मिलकर ये संकल्प लिया कि हर महीने भूमि आश्रम में संत्सग और हवन किया जाएगा। हवन में प्रीतम सिंह, रिसाल सिंह, बलबीर ढाड़ी, कृष्ण खुराना, कंचन डुडेजा, कमलेश खुराना व भूमि आश्रम से संचालक मुकेश जांगड़ा, रॉकी डैन, वजीर सिंह, निशा पुरी, पुनीत, डिम्पल जग्गा, बन्नी सिंह जांगड़ा आदि उपस्थित रहे।

गुड गवर्नेंस का सशक्त उदाहरण बन रहे समाधान शिविर : एसडीएम

- समाधान शिविर में एसडीएम रेणुका नांदल ने सुनी समस्याए

बेरी(झज्जर)। हरियाणा सरकार के दिशा निदेर्शानुसार आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर समय पर समाधान, समर्पित अधिकारी और आमजन की भागीदारी के साथ गुड गवर्नेंस का सशक्त उदाहरण बन रहे हैं। आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की पहल पर उपमंडल में सोमवार व गुरुवार को सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर के माध्यम से लोगों की शिकायतों का निदान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। जिला स्तरीय के अलावा उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर एसडीएम कार्यालय परिसर में आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में एसडीएम रेणुका नांदल ने उपमण्डल स्तर के विभागाध्यक्षों की मौजूदगी में सोमवार को लघु सचिवालय स्थित कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में शिकायतों के निपटान करते हुए लोगों को राहत पहुंचाई। एसडीएम रेणुका नांदल ने कहा कि समाधान शिविर का मुख्य उद्देश्य जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना

है ताकि समस्याओं को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सुलझाया जा सके। इन शिविर के माध्यम से नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते बल्कि वे एक ही स्थान पर अधिकारियों से सीधे संवाद कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में चल रही इस सार्थक पहल को जनता का भी भरपूर सहयोग और सराहना मिल रही है। शिकायतों के समाधान के लिए मुख्यालय पर समाधान प्रकोष्ठ स्थापित एसडीएम ने कहा कि मुख्यालय स्तर पर समाधान प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है जहां समाधान शिविर की शिकायतों की मॉनिटरिंग की जा रही है। जिन शिकायतों का त्वरित समाधान संभव होता है उनका ऑन द स्पॉट ही समाधान करते हुए नागरिकों को राहत प्रदान की जाती है व जो समस्याएं पॉलिसी निर्माण से संबंधित हैं उन्हें मुख्यालय में भेजा जाता है ताकि उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। इन विभागों के अधिकारी रहे मौजूद इस मौके पर बीडीपीओ राजाराम, खंड कृषि अधिकारी डॉ अशोक रोहिल्ला, एसईपीओ सत्यवान, जेई प्रवीण कुमार व योगेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भगवान महावीर विद्यापीठ चुनाव में मोहित व प्रदीप में सीधा मुकाबला

रेवाड़ी। भगवान महावीर विद्यापीठ के त्रिवार्षिक चुनाव के लिए सोमवार को चुनाव चिन्ह आबंटित किए गए। चुनाव में मोहित जैन एवं प्रदीप जैन गुट के बीच सीधा मुकाबला है। मोहित गुट को घडी तथा प्रदीप गुट को उगता सूरज चुनाव चिन्ह मिला। 24 अगस्त को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। इसके बाद मतगणना कराकर परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विवेक जैन तथा सहायक निर्वाचन अधिकारी नितिन जैन ने बताया कि सोमवार को अंतिम सूची जारी करने के बाद चुनाव चिन्ह

आबंटित कर दिए गए। दोनों गुटों ने अपनी-अपनी सूची निर्वाचन अधिकारी को सौंपी। मोहित जैन गुट को घडी तथा प्रदीप जैन गुट को उगता सूरज चुनाव चिन्ह आबंटित किया गया। चुनाव में पाँच पदाधिकारियों एवं चार सदस्यों के बीच सीधा मुकाबला होगा। प्रधान पद के लिए मोहित व प्रदीप, उप प्रधान पद के लिए सीमा व विनोद, सचिव पद के लिए अमित व अरूण , सहसचिव/प्रबंधक पद के लिए

मोहित गुट को घडी व प्रदीप गुट को उगता सूरज मिला चुनाव चिन्ह
24 अगस्त को जैन पब्लिक स्कूल में होगा मतदान

अंकित व प्रवीण तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए नितिन व सचिन के बीच मुकाबला है। जबकि सदस्य के लिए नामांकन जमा कराने वाले प्रत्याशियों में से चार को चुना जाएगा। इनमें प्रदीप गुट से अनुज, भारत, नितिन व प्रद्युमन तथा मोहित गुट से निपुण, पंकज, रविंद्र व विजय शामिल हैं।

बी.के.एम. विश्वास स्कूल ने किया दोस्त पुलिस कार्यक्रम का आयोजन

पंचकूला। दोस्त पुलिस' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में कानून के प्रति जागरूकता फैलाना और पुलिस से सहयोगात्मक संबंध स्थापित करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल की छात्राएं सेक्टर-5 स्थित महिला थाना पहुंचीं, जहाँ उन्हें महिला अधिकारों, पॉक्सो एक्ट और विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। छात्राओं ने महिला पुलिस अधिकारियों से सीधे संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। यह पहल छात्राओं को आत्मनिर्भर और जागरूक नागरिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

बिजली समस्या को लेकर मलाई गांव के लोगों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हथीन : हथीन उपमंडल के गांव मलाई में बिजली की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सोमवार को लघसचिवाल हथीन में आकर धरना प्रदर्शन कर एसडीएम गुरमीत सिंह को बिजली समस्या से अवगत कराया और समस्या का स्थाई समाधान के लिए ज्ञापन दिया। तथा मौखिक रूप से भी अवगत कराते हुए कहा कि गांव में तीन ट्रांसफार्मर फुंके पड़े हैं जिन्हें अभी तक नहीं बदला गया है व बिजली समस्या का स्थाई समाधान करने की मांग करते हुए तीन और ट्रांसफार्मर लगवाने की मांग की । मलाई गांव की महिला सरपंच साजिया के प्रतिनिधि साजिद अजमत के नेतृत्व में हथीन लघु सचिवालय में बिजली समस्या को लेकर आए

ग्रामीणों राशिद केला वाले हनीफ , हफीज नफीज मुस्कीम आसीन आबिद एवं खुर्शीद आदि ने एसडीएम गुरमीत सिंह को बिजली समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा। सरपंच साजिया ने एसडीएम के नाम दिए गए ज्ञापन में लिखा है कि लगभग दो साल से मलाई गांव बिजली की समस्या बनी हुई है। जिससे आमजन का काफी परेशान हैं। इस संदर्भ में संबंधित विभाग के एसडीओ से लेकर एक्सईएन तक को अवगत कराया जा चुका है लेकिन आज तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। सरपंच साजिया ने एसडीएम को लिखे ज्ञापन में कहा है कि आज ग्रामीणों ने उसके घर का भी घेराव किया है। यदि समस्या का समाधान नहीं जल्दी नहीं कराया गया तो बिजली समस्या से परेशान ग्रामीण रोड़ जाम कर सकते हैं जिसके लिए ग्राम पंचायत जिम्मेदार नहीं होगी। ग्रामीण राशिद केला वाले ने बताया कि एसडीएम ने उनकी शिकायत को गंभीरता से सुना और तत्काल संज्ञान लेते हुए बिजली विभाग के एसडीओ को फोन करके फुंके हुए तीनों ट्रांसफार्मर को अविलंब बदलने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि साथ एसडीएम ने तीन अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगवाने के लिए एसडीओ को इस्टीमेट बनाकर जल्द ही नए तीन ट्रांसफार्मर लगाने के भी निर्देश दिए

अवैध हथियार रखने की धरपकड़ का अभियान जारी, एक आरोपी गिरफ्तार

-आरोपी से 01 अवैध देशी पिस्टल बरामद।

रेवाड़ी। सीआईए धारूहेड़ा ने अवैध हथियार रखने वालो के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान राजस्थान के जिला खैरथल के गांव पहाडवास निवासी प्रदीप कुमार के रूप में हुई है। जांचकर्ता ने बताया कि गत 27 जुलाई को सीआईए धारूहेड़ा को सूचना मिली थी कि प्रदीप कुमार निवासी गांव पहाडवास जिला खैरथल राजस्थान जिसके पास अवैध हथियार है। जो वह अभी रेवाडी से धारुहेडा रोड पर मसानी अड्डा से पहले शमशान घाट के पास किसी के इन्तजार में खड़ा हुआ है। जिस सूचना पर तुरंत रेडिंग पार्टी तैयार करके बताए हुए स्थान पर पहुंच कर साथी मुलाजमान की मदद से आरोपी को काबू करके नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम प्रदीप कुमार निवासी गांव पहाडवास जिला खैरथल राजस्थान बतलाया। पुलिस द्वारा आरोपी की तलाशी लेने पर 01 अवैध देशी पिस्टल बरामद हुआ। जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना धारूहेड़ा में शस्त्र अधिनियम तहत मामला दर्ज करके आरोपी प्रदीप कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को पेश अदालत करके पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है

सावन का महीना प्रकृति और प्रेम का प्रतीकः सपना शर्मा

सावन उत्सव की विविध स्पधाओं उमा मटोलिया व वंदना शर्मा अव्वल रहीं

बिलासपुर,छत्तीसगढ़। ब्राह्मण समाज का सावन उत्सव कार्यक्रम अध्यक्ष सपना मदन शर्मा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम नारी सशक्तिकरण, संस्कृति संरक्षण एवं सामूहिक सौहार्द की भावना को समर्पित रहा। आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक परिधान, हरे रंग की साड़ियां, श्रृंगार एवं गीत-संगीत के साथ भाग लिया। इस अवसर पर विविध स्पधाओं का आयोजन किया गया। गेम में उमा मटोलिया प्रथम, शीतल शर्मा द्वितीय व उषा शर्मा तृतीय रहीं। सावन स्पेशल गेम्स में प्रथम वंदना शर्मा, द्वितीय प्रियंका शर्मा व तृतीय प्रतिभा शर्मा रहीं। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें

महिलाओं ने सावन के पारंपरिक लोकगीतों पर नृत्य प्रस्तुत किए। मेंहदी प्रतियोगिता, झूला झूलन, रंगोली एवं साज-सज्जा स्पधाएं भी आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समाज की अध्यक्ष सपना शर्मा ने कहा कि सावन का महीना प्रकृति, प्रेम और भक्ति का प्रतीक है। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का माध्यम हैं और महिलाओं को सामाजिक मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने सभी सदस्यों को उनके सक्रिय सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर उपस्थित ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने सावन उत्सव की सराहना की और महिला सशक्तिकरण के प्रयासों की प्रशंसा की। सावन उत्सव ने जहां महिलाओं को मनोरंजन का अवसर दिया, वहीं सामाजिक एकजुटता और परंपराओं से जुड़ने का भी सशक्त माध्यम बना। आयोजन की सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की।

हरियाली तीज पर्व बाला जी पार्क मे धूमधाम से मनाया गया

हिसार / बाला जी पार्क रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में रविवार को सेक्टर-14 स्थित बाला जी पार्क में हरियाली तीज का पावन पर्व पारंपरिक उल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में सेक्टर -14 की महिलाओं ने भारी संख्या में भाग लिया और पूरे आयोजन को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया। महिलाएं हरे वस्त्र, चुनरी, चूड़ियां, मेंहदी और सोलह श्रृंगार में सजधज कर आईं। उन्होंने पारंपरिक झूलों पर सावन की मल्हारें गाईं और लोकगीतों के माध्यम से तीज का आनंद उठाया। पूजा-पाठ का आयोजन भी विधिवत रूप से किया गया, जिसमें भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर विभिन्न मनोरंजक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विजेता महिलाओं को हिसार के मेयर प्रवीण पोपली द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम स्थल पर स्वादिष्ट व्यंजनों की स्टॉल भी लगाई गई, जिससे उत्सव का माहौल और भी आनंददायक बन गया।

भव्य और जीवंत हरियाली तीज उत्सव आयोजित

नारनौल। आया तीजों का त्यौहार, आज मेरा वीरा आवैगा.....। मानसून की हल्की-हल्की फुहारों के बीच लघु सचिवालय के सभागार में महिला सशक्तिकरण और राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भव्य और जीवंत हरियाली तीज उत्सव में महिलाओं ने जमकर सांस्कृतिक रंग जमाया। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव मौजूद रहे। वहीं अंबाला में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को तीज उत्सव की बधाई दी। कार्यक्रम के समापन पर कला एवं संस्कृति विभाग तथा हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका

मिशन महेंद्रगढ़ के सौजन्य से उपस्थित महिलाओं को कोथली वितरित की गई। दोपहर बाद शुरू हुए इस उत्सव में महिलाओं ने रंग-बिरंगी हरियाणवी ड्रेस, हाथों में मेहंदी, लोक संगीत और नृत्य से इसे सुंदर और यादगार बना दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ओमप्रकाश यादव ने तीज उत्सव की बधाई देते हुए कहा कि तीज सिर्फ एक त्योहार नहीं बल्कि ये हमारी संस्कृति की आत्मा है। यह पारिवारिक मूल्यों, सामाजिक बंधन व हमारी परंपराओं का प्रतिनिधित्व करता है। राज्य सरकार लगातार हरियाणा की गौरवशाली विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इस मौके पर उत्कृष्ट स्वयं सहायता समूहों को सम्मानित किया गया। खंड सिहमा के गांव सलूनी के प्रकाश स्वयं सहायता समूह को प्रथम आने पर एक लाख रुपए, खंड नांगल चौधरी के गांव थनवास के जीवन ज्योति समूह को द्वितीय आने पर 50 हजार रुपए व खंड अटेली के गांव कांटी के बाबा नरसिंह दास समूह को तृतीय आने पर 25 हजार रुपए देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान जिला के 8 महिला सांस्कृतिक केंद्रों की शुरूआत की गई। जिला परिषद के सीईओ उदय सिंह ने मेहमानों का स्वागत किया। मंच संचालन डॉ ममता शर्मा ने किया। इस मौके पर जिला परिषद के अध्यक्ष डॉ राकेश कुमार तथा बीजेपी के जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने भी महिलाओं को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल, एक्सईएन पंचायती राज रमेश कुमार वर्मा, एसडीओ खुशबू, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ शशि बाला, जिला कार्यक्रम अधिकारी संगीता यादव, जिला कार्यात्मक प्रबंधक ईश्वर के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे।

- सीएम नायब सिंह सैनी ने अंबाला से वर्चुअल माध्यम से किया महिलाओं को संबोधित
- महिलाओं ने रंग-बिरंगी हरियाणवी ड्रेस, हाथों में मेहंदी, लोक संगीत व नृत्य से बना दिया यादगार
- जिला के 8 महिला सांस्कृतिक केंद्रों की शुरूआत पहले स्थान पर आने वाली एसएचजी को एक लाख रुपए से पुरस्कृत किया

रचा इतिहास ! 19 साल की दिव्या देशमुख ने जीता चेस वर्ल्ड कप, बनीं पहली भारतीय महिला चैंपियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की युवा चेस सनसनी दिव्या देशमुख ने महिला चेस वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है! सिर्फ 19 साल की दिव्या ने जॉर्जिया के बाटुमी में हुए इस प्रतिष्ठित वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत की ही दिग्गज खिलाड़ी कोनेरू हंपी को शिकस्त देते हुए यह खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही वह चेस वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला चेस स्टार बन गई हैं।

यह दिव्या के करियर की एक और बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि उन्होंने पिछले साल ही जूनियर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीता था। अब इस खिताबी जीत के साथ ही वह भारत की चौथी महिला ग्रैंडमास्टर भी बन गई हैं।

भारत ने पक्का किया था खिताब

जॉर्जिया के बाटुमी में पिछले करीब 3 हफ्तों से महिला चेस वर्ल्ड कप का आयोजन हो रहा था। दिव्या देशमुख ने पहले फाइनल में पहुंचकर इतिहास रचा, और फिर भारत की पहली महिला ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी भी फाइनल में पहुँच गईं। इससे यह तय हो गया था कि जीत चाहे जिसकी भी हो, खिताब भारत के हिस्से में ही आएगा और पहली बार कोई भारतीय महिला चेस वर्ल्ड कप चैंपियन बनेगी। मगर इस बार युवा जोश के आगे अनुभव को शिकस्त मिली।

कांटे की टक्कर और टाईब्रेक में फैसला

दिव्या और कोनेरू के बीच शनिवार, 26 जुलाई को फाइनल में पहली टक्कर हुई थी। इसमें 19 साल की इंटरनेशनल मास्टर दिव्या जीत के करीब नज़र आ रही थीं, मगर आखिरी मौके पर उन्होंने एक गलती की और कोनेरू ने वापसी करते हुए मैच को ड्रॉ करवा दिया। फिर रविवार को दोबारा दोनों की टक्कर हुई और इस बार भी मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। ऐसे में चैंपियन का फैसला करने के लिए टाईब्रेक की नौबत आई।

फाइनल के शुरुआती दोनों मैच क्लासिकल फॉर्मेट में खेले गए, लेकिन टाईब्रेक रैपिड फॉर्मेट में खेला जाना था। इस फॉर्मेट में 38 साल की कोनेरू को दिव्या की तुलना में ज्यादा मजबूत खिलाड़ी माना जा रहा था। मगर सोमवार, 28 जुलाई को हुए टाईब्रेक मुकाबले में कहानी एक दम पलट गई। दिव्या ने अपनी दोगुनी उम्र की कोनेरू को उनके ही गेम में फंसाया और गलती के लिए मजबूर कर दिया। आखिरकार दिव्या ने टाईब्रेक में शानदार जीत दर्ज करते हुए

खिताब अपने नाम कर लिया। सिर्फ 19 साल की उम्र में यह खिताब जीतने वाली वह पहली भारतीय महिला बन गई हैं। यह भी एक संयोग ही है कि उन्होंने यह बड़ी उपलब्धि भारत की पहली महिला ग्रैंडमास्टर को हराकर ही हासिल की है।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा, स्टार ऑलराउंडर टीम में शामिल

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने 28 जुलाई को एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को टीम में शामिल किया गया है। ओवरटन को कप्तान बेन स्टोक्स के कवर के तौर पर शामिल किया गया है, जिन्हें मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या हो गई थी।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ होने वाले पांचवें टेस्ट मैच के लिए एक ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की टीम में वापसी की है। यह मैच सीरीज का निर्णायक मुकाबला होगा और दोनों ही टीमें जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगी। भारतीय टीम इंग्लैंड को उनके घरेलू मैदान पर कड़ी टक्कर देगी।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। पांचवें और अंतिम टेस्ट में भारतीय टीम जीत के इरादे से उतरेगी कप्तान शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज 2-2 से ड्रॉ करना चाहेगी। भले ही इंग्लैंड की टीम आक्रामक क्रिकेट खेल रही है लेकिन भारतीय टीम ने अब तक बेहतरीन जज्बा और संयम दिखाया है। इंग्लैंड पर दबाव बनाने के लिए पांचवें टेस्ट मैच में बल्लेबाजो को बड़ा स्कोर बनाना होगा वही गेंदबाजो को भी महत्वपूर्ण समय पर विकेट लेना होगा।

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम-

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), जोश टंग, क्रिस वोक्स।

ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट से बाहर, सीएसके का यह खिलाड़ी टीम में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। चौथे टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय चोट लगने के बाद भारतीय उप कप्तान ऋषभ पंत एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 के पांचवे टेस्ट मैच से बाहर हो गए है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा सीरीज के आखिरी मुकाबले के लिए उनकी जगह तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीशन को टीम में शामिल किया गया है।

इंग्लैंड खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान पंत के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया और बीसीसीआई की टीम उनकी स्थिति पर नजर रख रही है। मैच के पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए पंत चोटिल हो गए जिससे कि विकेटकीपर बल्लेबाज पंत को बीच में ही मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा। फिर रवींद्र जडेजा ने वाशिंगटन सुंदर के साथ पारी को आगे बड़ाया। हालांकि पंत दूसरे दिन फिर से बल्लेबाजी करने आए और भारत के कुल स्कोर में और रन जोड़े। दूसरे दिन उन्होंने 17 रन बनाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर जोफ्रा आर्चर की अच्छी गेंद पर आउट होकर वापिस ड्रेसिंग रूम जाना पड़ा।

बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में

जानकारी देते हुए कहा, 'ऋषभ पंत, जिन्हें मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया था, श्रृंखला के पांचवें और अंतिम टेस्ट से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नज़र रखेगी और टीम उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती है। बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पुरुष चयन समिति ने पांचवें टेस्ट के लिए ऋषभ पंत के प्रतिस्थापन के रूप में नारायण जगदीशन का नाम लिया है, जो 31 जुलाई, 2025 को केनिंग्टन ओवल, लंदन में शुरू होगा।'

पंत इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजो में से थे, उन्होंने सात पारियों में 479 रन बनाए, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल है।

गांगुली एशिया कप में पाकिस्तान के साथ मैच खेले जाने के समर्थन में उतरे

कोलकाता (एजेंसी)। एक ओर जहां पहलगाम आतंकी हमले के बाद क्रिकेट प्रशंसक भारतीय टीम के पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप में मैच खेलने का विरोध कर रहे हैं। वहीं पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि मैच होने पर उन्हें कोई परेशानी नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेजबानी में होने वाले एशिया कप में भारत और पाकिस्तान का 14 सितंबर को आामने-सामने होंगे। गांगुली ने कहा कि खेल चलते रहना चाहिए। पहलगाम जैसी घटना नहीं होनी चाहिए थी पर खेल में बाधा नहीं आनी चाहिये। आतंकवाद को रोका जाना चाहिये। उन्होंने कहा है कि भारत सरकार आतंकवाद रोकने के लिए पूरी

ताकत से प्रयास कर रही है। देश ने ने आतंकवाद के खिलाफ मजबूत रुख अपनाया है पर खेलों को रोकना ठीक नहीं हैं।'

वहीं गांगुली के इस बयान की आलोचना हो रही है। लोगों का कहना है कि जब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से हमारे देश में लोगों की जान जा रही है तक उससे कैसे खेला जा सकता है। वहीं कई पूर्व खिलाड़ियों और लोगों ने सोशल मीडिया पर गांगुली से यह पूछ है कि क्रिकेट मैच को पाकिस्तान के साथ रिश्तों को सामान्य करने का जरिया किस कारण से माना जाना चाहिए जबकि उसकी ओर से लगातार आतंकी घटनाएं हो रही हैं ? वहीं गत दिवस ही पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरउद्दीन ने कहा था कि एशिया कप में पाक के साथ नहीं खेला जाना चाहिये। हाल में भारतीय रिटारर्ड क्रिकेटरों ने भी पाकिस्तान के साथ लंदन में जारी वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स क्रिकेट टूर्नामेंट का बहिष्कार कर दिया था।

ऋषभ ने टीम को दिया संदेश, अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज बराबरी पर लायें

मैनचेस्टर ।भारतीय टीम के विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टीम के साथी खिलाड़ियों से कहा है कि वे अंतिम टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन कर सीरीज को बराबरी पर समाप्त करें।अभी इस सीरीज में भारतीय टीम 1–2 से पीछे चल रही है।पैर में फ्रैक्चर के कारण ऋषभ पांचवें टेस्ट से बाहर हो गये हैं।भारतीय टीम की पहली पारी के दौरान ऋषभ ने दाहिने पैर में फ्रैक्चर के बाद भी जबरदस्त बल्लेबाजी कर अर्धशतक लगाया था।वह तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की यॉर्कर पर चोटिल हुए थे।चोट के कारण वह रिटायर हो गये थ पर जरुरत पड़ने पर दोबारा मैदान पर उतरे।अंतिम दिन टीम इंडिया ने दूसरी पारी में जबरदस्त बल्लेबाजी कर मैच बराबरी पर ला दिया।कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के शतकों और केएल राहुल की जुझारू 90 रनों की पारी की बदौलत मेजबान इंग्लैंड को ड्रॉ के लिए मजबूर कर दिया।मैच के बाद ऋषभ ने एक वीडियो में कहा, यह मेरी तरफ से बस एक छोटा–सा भाव था।व्यक्तिगत लक्ष्य के बारे में सोचने के बजाय, टीम को जीत दिलाने या आगे बढ़ाने के लिए, जो कुछ भी करना पड़े करना चाहिये।उन्होंने आगे कहा, जिस तरह से सभी ने मेरा समर्थन किया, वह वाकई शानदार था।टीम पर दबाव था, हालात कठिन थे, लेकिन जब पूरा देश एक ही उद्देश्य के लिए आपके साथ खड़ा हो जाता है, तो वह अहसास कुछ अलग ही होता है।इस भावना को शब्दों में बयां करना मुश्किल है कि अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं कितना गर्व महसूस करता हूं।मैं अपनी टीम को बस यही संदेश देना चाहता हूं कि दोस्तों, चलो इस सीरीज को जीतते हैं।चलो, हमें देश के लिए ऐसा करना है।वहीं इस बल्लेबाज की सराहना करते हुए हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, जो ऋषभ ने टीम के लिए किया है, वही जज्बा मौजूदा टेस्ट टीम का आधार होगा।

इंडिया चैम्पियंस हार के साथ ही वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स से बाहर हुई

लंदन।यहां जारी पूर्व क्रिकेटरों के वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स क्रिकेट टूर्नामेंट में इयान मॉर्गन की कप्तानी वाली इंग्लैंड चैम्पियंस ने इंडिया चैम्पियंस को हरा दिया।इस हार के साथ ही इंडिया चैम्पियंस टीम मुकाबले से बाहर हो गयी है।वहीं मेजबान इंग्लैंड की टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर है और सेमीफाइनल की रेस में बनी हुई है।इस मैच में मेजबान इंग्लैंड चैम्पियंस ने रवि बोपारा के शतक 110 रनों की सहायता से पहले बल्लेबाजी करते हुए 223 रन बनाये।इसके अलावा इंग्लैंड चैम्पियंस की ओर से सलामी बल्लेबाज इयान बेल 39 गेंद में 54 रन बनाये।मोईन अली ने 13 गेंद में 33 रनों की पारी खेली जबकि समित पटेल ने 20 रन बनाए।वहीं पीयूष चावला और हरभजन सिंह के अलावा अन्य भारतीय गेंदबाजों ने 8 या इससे अधिक रन दिये।हरभजन के 3 ओवर के 18 रन गये और उन्होंने 2 विकेट लिए।चावला ने 4 ओवर में केवल 25 रन दिए।दूसरी ओर पवन नेगी ने 4 ओवर में 62 और विनय कुमार ने 4 ओवर में 54 रन दिये।इसके बाद जीत के लिए मिले 224 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडिया चैम्पियंस 8 विकेट पर 200 रन ही बना पाये।

पहले की अपेक्षा आज के दौर में बल्लेबाजी आसान हुई : पीटरसन

लंदन।इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन का कहना है कि आज के दौर में बड़े स्कोर बनाना पहले से काफी आसान हो गया है। इसलिए भी खिलाड़ी आसानी से नये रिकार्ड बना रहे हैं।पीटरसन के अनुसार ये सब इसलिए हो रहा है क्योंकि आज टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली टीमों के पास पहले जैसे घातक गेंदबाज नहीं हैं।इससे मुकाबले बल्लेबाजों की ओर झुक गये हैं।पीटरसन के इस बयान से एक नई बहस शुरु हो सकती है।इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट के टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की

सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचने के बाद पीटरसन का ये बयान आया है।अब तक दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग थे।इसी को लेकर पीटरसन ने सोशल मीडिया में कहा, 'मेरी बात पर नाराज न हों पर ये सही है कि आजकल बल्लेबाजी करना 20 से 25 साल पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गया है। पहले के दौर में खौफनाक गेंदबाजों के कारण बल्लेबाजी करना आज की तुलना में दोगुना कठिन था।पीटरसन ने 2005 से 2013 के बीच इंग्लैंड के लिए 104 टेस्ट, 136 एकदिवसीय और 37 टी–20 मैच खेले।उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 23 शतक और 35 अर्द्धशतकों के साथ 47.28 की औसत से 8,181 रन बनाए।पीटरसन ने अपने जमाने के कई गेंदबाजों के नाम लिए और पूछा है कि आज इनके स्तर का कोई भी गेंदबाज किसी भी टीम के पास है क्या ? साथ ही कहा कि अगर है तो वे केवल 10 गेंदबाजों के नाम बताएं जिनकी तुलना पहले के गेंदबाजों से की जा सकते। उन्होंने कहा, 'वकार यूनुस, शोएब अख्तर, वसीम अकरम, सकलेन मुश्ताक, अनिल कुंबले, जवागल श्रीनाथ, हरभजन सिंह, डोनाल्ड, शॉन पोलाक, मैक मैक्ग्रा, बैट ली, शेन वार्न, डेनियल विटोरी व कर्टली एंबोस जैसे गेंदबाजों को सामना करना बेहद कठिन होता था।

सुदर्शन तीसरे नंबर के लिए बेहतर बल्लेबाज : पोंटिंग

मैनचेस्टर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने युवा भारतीय बल्लेबाज साई सुदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह तीसरे नंबर पर काफी अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए प्रबंधन उन्हें इसके लिए अवसर दे। मैनचेस्टर में भारत की दूसरी पारी की खराब शुरुआत के बाद एक तीसरे नंबर पर किये उतारा जाये ये सवाल एक बार फिर उठा है। सुदर्शन इस मैच में पहली पारी में तो रन बनाने में सफल रहे थे पर दूसरी पारी में असफल रहे। भारत ने तीसरे स्थान पर चेतेश्वर पुजारा को हटाये जाने के बाद से ही के शुभमन गिल से लेकर एल राहुल, करुण नायर को भी आजमाया पर कोई भी सफल नहीं रहा।

पोंटिंग ने कहा कि तीसरे नंबर पर इतने सारे विकल्पों को खिलाने से किसी भी खिलाड़ी पर दबाव पैदा होता है। एक ऐसा दबाव जिसकी सुदर्शन जैसे एक युवा खिलाड़ी को जरूरत नहीं है। पोंटिंग ने कहा, आपको हर समय इस चिंता में डूबे रहने की जरूरत नहीं है कि आपको दूसरा मौका मिलेगा या नहीं। उन्होंने सुदर्शन को पहले टेस्ट के लिए शामिल किया फिर बाहर किया और मैनचेस्टर में फिर उसके पास ही आ गये। एक युवा खिलाड़ी के लिए, और आप जानते हैं, जब मैं तीसरे नंबर पर आया था तब मैं इतना युवा नहीं था, लेकिन आप बस अपने कप्तान और अपने कोचों से थोड़ा सा आश्वासन चाहते थे कि ठीक है, अब हम तुम्हें चुन रहे हैं, हम तुम्हें अच्छा अवसर देंगे और देखेंगे कि तुम कैसा प्रदर्शन करते हो। क्योंकि मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि सुदर्शन काफी अच्छा प्रदर्शन करेंगे पर उन्हें उन पर अपना विश्वास दिखाना होगा।

पोंटिंग ने भारतीय प्रबंधन से अपने खिलाड़ियों का समर्थन करने का आग्रह किया, जैसे इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स

और कोच ब्रेंडन मैकुलम अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं, जिसमें सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली और ओली पोप प्रमुख उदाहरण हैं। अपनी असंगतियों और अक्सर खराब फॉर्म के बावजूद वे सलामी बल्लेबाज और तीसरे नंबर के रूप में टीम का अहम हिस्सा बने हुए हैं। उन्होंने कहा, अगर आप उन पर भरोसा करते हैं और उनका समर्थन करते रहेंगे, तो वे किसी न किसी मोड़ पर आपके लिए बड़ी, मैच विजेता पारियां जरूर खेलेंगे।

गंभीर , बोले इंग्लैंड के खिलाड़ी शतक के करीब होने तो भी ड्रॉ की पेशकश करते यही करते स्टोक्स?

मैनचेस्ट ।भारतीय क्रिकेट टीम के कोच गौतम गंभीर ने मैनचेस्टर टेस्ट मैच के अंतिम दिन भारतीय बल्लेबाजों रवींद्रे जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को ड्रॉ का प्रस्ताव देने वाले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की आलोचना की है।गंभीर ने कहा कि अगर मेजबान टीम का कोई बल्लेबाज शतक के करीब होता तो क्या स्टोक्स मैच समय से पहले समाप्त करने (ड्रॉ) के लिए तैयार होते। स्टोक्स ने जडेजा और सुंदर को आउट करने में असफल रहने पर मैच ड्रॉ कराने का प्रस्ताव रखा।इसे भारतीय बल्लेबाज ने ठुकरा दिया जिससे मामले में विवाद हो गया।गंभीर से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने करारा जवाब दिया।स्टोक्स ने मैच को ड्रॉ करने का प्रस्ताव दिया उस समय 15 ओवर शेष थे।रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर अपने शतक के करीब थे और इसी कारण भारत ने ड्रॉ की पेशकश ठुकरा दी।जडेजा और सुंदर दोनों ने शतक बनाए।गंभीर ने ड्रॉ न लेने के फैसले का पूरी तरह समर्थन करते हुए कहा कि क्या इंग्लैंड अपने खिलाड़ियों के शतक के करीब होने पर भी समय से पहले ड्रॉ का फैसला लेता।गंभीर ने कहा, 㐅अगर कोई 90 पर बल्लेबाजी कर रहा है और दूसरा 85 पर हो तो क्या वे अपने शतक के अधिकारी नहीं हैं? क्या इंग्लैंड अपने खिलाड़ियों के इसके करीब होने पर मैदान छोड़ देता? नहीं हमारे खिलाड़ियों ने विपरीत हालात में बल्लेबाज कर ये शतक लगाये हैं।

'उन्हें क्रिकेट की सही समझ नहीं है', शुभमन गिल की कप्तानी पर सवाल उठाने वालों को गौतम गंभीर की दो टूक

मुम्बई (एजेंसी)। टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैनचेस्टर टेस्ट के बाद कप्तान शुभमन गिल का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने उन आलोचकों को आड़े हाथों लिया है, जो गिल की कप्तानी और मानसिक ताकत पर सवाल उठा रहे थे। गंभीर का कहना है कि गिल में अपार प्रतिभा है और वो लगातार खुद को साबित कर रहे हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट में गिल का शानदार शतक

मैनचेस्टर में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में भारत ने दूसरी पारी में शानदार वापसी की। कप्तान शुभमन गिल ने जबरदस्त शतक लगाया, जिसने भारत को मैच ड्रॉ कराने की दिशा में मजबूत कर दिया। गिल के अलावा रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर ने भी शतक जड़ते हुए टीम को संकट से निकाला।

आलोचकों को गंभीर का जवाब

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गौतम गंभीर ने कहा, 'शुभमन गिल की प्रतिभा पर कोई शक नहीं होना चाहिए। जो लोग उन पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें क्रिकेट की सही समझ नहीं है। कुछ खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद को साबित करने में थोड़ा समय लगता है। लेकिन जो लोग खेल को समझते हैं, वो पहले से जानते हैं कि गिल क्या कर सकते हैं।' गंभीर ने आगे कहा कि अगर गिल शतक नहीं भी बनाते, तो टीम उनके साथ खड़ी रहती। 'शुभमन को ड्रेसिंग रूम में हर किसी का समर्थन है। वो एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं और कप्तानी का बोझ लेकर नहीं खेलते। जब वो क्रीज पर उतरते हैं, तो सिर्फ बल्लेबाज की भूमिका निभाते हैं, कप्तान की नहीं।'

क्यों हुई गिल की आलोचना?

दरअसल, इंग्लैंड ने पहली पारी में 311 रनों की बड़ी बढ़त ली थी। इस दौरान गिल के कुछ फैसलों पर सवाल खड़े किए गए। उन्होंने अनुभवी मोहम्मद सिराज की जगह डेब्यू कर रहे अंशुल कम्बोज को नई गेंद सौंपी। साथ ही वॉशिंगटन सुंदर को काफी देर बाद गेंदबाजी पर लगाया, जब तक इंग्लैंड के टॉप बल्लेबाज रन बना चुके थे।

रिकॉर्ड पर बनाया गिल ने इतिहास

शुभमन गिल इस सीरीज में अब तक तीन शतक लगा चुके हैं। वह इंग्लैंड की सरज़मीं पर एक टेस्ट सीरीज में 700 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले एशियाई बल्लेबाज बन गए हैं। उनका यह प्रदर्शन बताता है कि वह सिर्फ कप्तान ही नहीं, बल्कि शानदार बल्लेबाज भी हैं।

सीरीज में भारत अब भी पीछे

मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ होने के बाद इंग्लैंड अब भी 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से आगे है। अब सीरीज का आखिरी और निर्णायक मुकाबला 31 जुलाई से लंदन के ओवल मैदान पर खेला जाएगा। अगर भारत यह टेस्ट जीतता है, तो सीरीज 2-2 से बराबर होगी, वरना इंग्लैंड सीरीज जीत जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया में कठिन पिचों पर खेलने के लिए तैयार रहें इंग्लैंड के बल्लेबाज : स्मिथ

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज आजकल घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं पर उन्हें आगामी एशेज सीरीज के लिए तैयार रहना चाहिये क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में हालात बिलकुल अलग होंगे।स्मिथ का मानना है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज अभी सपाट पिचों पर बड़े स्कोर बनाकर खुश हो रहे हैं पर ये उनके लिए अच्छा नहीं होगा। साथ ही कहा कि बल्लेबाजों को अनुकूल पिचों की आदत नहीं डालनी चाहिए क्योंकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलिया में ऐसी पिचें नहीं मिलेंगी।स्मिथ ने कहा, पिछले तीन–चार साल के दौरान देखा गया है कि ऑस्ट्रेलिया के विकेट शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के लिए विकेट काफी कठिन रहे हैं। यह उनके लिए एक अच्छी चुनौती होगी पर यह एक शानदार सीरीज होने वाली है। एशेज की तैयारी कर रहे स्मिथ इंग्लैंड–भारत सीरीज पर भी नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं भारत और इंग्लैंड की सीरीज देख रहा हूं और वहां शानदार क्रिकेट खेला गया है, इसलिए मुझे लगता है कि इस साल एशेज बेहद शानदार होने वाली है। स्मिथ को लगता है कि इंग्लैंड ने अपने आक्रामक रवैये पर अंकुश लगाते हुए दर्शकों का मनोरंजन करने की जगह पर अब मैच जीतने पर ज़्यादा ध्यान देना शुरु कर दिया है।इस क्रिकेटर ने कहा, पिछले कुछ सप्ताह में उन्होंने हालातों के हिसाब से खेलना शुरू कर दिया है जबकि पहले वे आक्रामक खेल से दर्शकों का मनोरंजन करते थे।वे अब मैच जीतने की कोशिश कर रहे हैं, जो शायद उनकी पिछली टिप्पणियों से अलग है। ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम इस समय वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज खेल रही है पर स्मिथ, जो आगामी हंड्रेड टूर्नामेंट में वेल्श फायर की कप्तानी करेंगे अभी इंग्लैंड में ही हैं। हालांकि उन्होंने इस साल फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद एकदिवसीय से संन्यास ले लिया था पर स्मिथ 2028 लॉस एंजिल्स खेलों तक टी20 प्रारूप में खेलते रहेंगे जिससे कि ओलंपिक में भागीदारी कर सकें।स्मिथ ने कहा, मैंने एकदिवसीय क्रिकेट खेलना बंद करने का फैसला किया जिससे मैं और अधिक फ्रेंचाइजी के लिए खेल सकूं और ओलंपिक टीम में जगह बना सकूं।

स्टोक्स ने की थी जडेजा से मैच समाप्त करने की पेशकश

मैनचेस्टर ।यहां भारत के खिलाफ हुए चौथे टेस्ट मैच में ड्रॉ के साथ ही भारतीय बल्लेबाजों ने मेजबान इंग्लैंड के सीरीज जीतने का सपना तोड़ दिया।इस टेस्ट में एक समय मेजबान टीम की जीत तय मानी जा रही थी पर कप्तान शुभमन गिल सहित अन्य खिलाड़ियों के शतकों से भारतीय टीम इस मैच को ड्रॉ कराने में सफल रही।इस मैच में रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के बीच 303 गेंदों में 203 रन की रिकार्ड साझेदारी हुई। मैच में एक समय ऐसा भी आया जब हालात बेहद तनावपूर्ण हो गए। चौथे दिन भारतीय टीम के शुरुआत में ही दो विकेट गिरने के बाद लग रहा था कि हार तय है पर जडेजा और सुंदर की शानदार साझेदारी ने इंग्लैंड की उम्मीदों पर पानी फैर दिया।ऐसे में जब मैच का परिणाम निकलना असंभव नजर आ रहा था। तो थकान से परेशान मेजबान टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने मैच सामप्त करने के पेशकश की पर भारतीय पक्ष ने ठुकरा दिया।जिससे मेजबान टीम और भी झल्ला गयी।

धनुष के साथ अगली फिल्म में काम करेंगे मारी सेल्वराज, कर्णन में हिट रही थी जोड़ी

साउथ के सुपरस्टार धनुष कई अपकमिंग फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। ऐसे में साउथ के निर्देशक मारी सेल्वराज ने जानकारी दी है कि वह अपनी अगली फिल्म में अभिनेता धनुष के साथ फिर से काम करेंगे। दोनों ने आखिरी बार 2021 की फिल्म कर्णन में साथ काम किया था। यह फिल्म कामयाब रही थी। समीक्षकों ने भी इसकी काफी तारीफ की थी।

धनुष के साथ काम करेंगे निर्देशक मारी सेल्वराज

एक समारोह में फिल्म निर्माता मारी सेल्वराज ने कहा अगली फिल्म में मैं धनुष सर के साथ काम करूंगा। हमने यह फिल्म तब साइन की थी जब मैं धनुष सर के साथ कर्णन पर काम कर रहा था। जिस फिल्म के लिए हमने उस समय साइन किया था, वह कई कारणों से टल रही थी। यह एक बड़ा प्रोजेक्ट है। मैं एक साधारण कहानी को बड़े पैमाने पर बताना चाहता था। यह फिल्म वही प्रोजेक्ट है। मुझे लगता है कि यह फिल्म बहुत अहम होगी। इस फिल्म पर काम शुरू हो गया है और चल रहा है। मुझे यकीन है कि यह फिल्म मेरी जिंदगी में एक मील का पत्थर साबित होगी।

फिल्म को लेकर लग रहीं अटकलें

हालांकि इस अनाम फिल्म के बारे में और जानकारी अभी गुप्त रखी गई है, लेकिन निर्देशक के बयान से लगता है कि इसमें भावनात्मक गहराई और दूसरी चीजें भी होंगी। हाल ही में हुए ऐलान ने फिल्म के सहायक कलाकारों और रिलीज की समय-सीमा को लेकर अटकलों को हवा दे दी है। हालांकि इनमें से किसी भी चीज का खुलासा नहीं किया गया है।

धनुष का वर्कफ्रंट

अगर धनुष की बात करें तो वह हाल ही में फिल्म कुबेर में नजर आए थे। फिल्म काफी कामयब रही। इसमें नागार्जुन, रश्मिका मंदाना और जिम सरभ भी अहम भूमिकाओं में थे। धनुष जल्द ही फिल्म इडली कढ़ाई में दिखाई देंगे। फिल्म में नित्या मेनन, अरुण विजय, शालिनी पांडे, प्रकाश राज और राजकिरण होंगे। धनुष ने हाल ही में फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग पूरी की है, जिसका निर्देशन आनंद एल राय ने किया है और इसमें उनके साथ कृति सेनन हैं।

धड़क 2 की कहानी सोचने पर मजबूर कर देगी

गैर फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाली तृप्ति डिमरी एनिमल की सफलता के बाद अब एक और बड़ी फिल्म धड़क 2 में लीड रोल निभा रही हैं। यह फिल्म जातिगत भेदभाव के बीच प्रेम कहानी पर आधारित है, जिसमें तृप्ति के साथ सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आएंगे। पेश हैं तृप्ति से खास बातचीत...

मुंबई आने का फैसला करियर का एक अहम मोड़ था...

मुंबई आना मेरे करियर का सबसे अहम मोड़ था। उस वक्त दो ही रास्ते थे। एक तो जोखिम उठाकर यहां आऊं या दूसरा कि सब कुछ छोड़ दूं। रिश्तेदारों को शक था कि बिना किसी कनेक्शन के मैं कैसे आगे बढ़ पाऊंगी। माता पिता भी डरे हुए थे। काफी बहस और तनाव के बाद मैं निकली थी। आज जब पीछे देखती हूं, तो गर्व होता है कि मैंने वो कठिन लेकिन सही फैसला लिया। उस वक्त रोना आता था, पर आज मैं बहुत खुश हूं।

कैमरे के सामने एक्टिंग करना बड़ी बात थी...

इंडस्ट्री में खुद पर भरोसा करना आसान नहीं था। शुरुआत में न फील्ड की समझ थी, न यकीन कि कर पाऊंगी या नहीं। जब पहली फिल्म मिली, तो मुझे अपना काम खास नहीं लगा, लेकिन लोगों ने सराहा। असली उपलब्धि यह थी कि मैं हमेशा अंतर्मुखी रही हूं और कैमरे के सामने एक्टिंग करना मेरे लिए बड़ी बात थी। धीरे-धीरे मैंने एक्टिंग और खुद को समझा। आज स्क्रिप्ट मिलते ही थोड़ा डर जरूर लगता है लेकिन अब भरोसा होता है कि मैं हर तरह का किरदार निभा लूंगी।

शूटिंग में क्लास बंक करके मुझे देखने आते थे लड़के

रणबीर कपूर के साथ फिल्म एनिमल की सफलता के बाद ऐसा कोई वीआईपी ट्रीटमेंट तो नहीं मिला है लेकिन मैंने यह देखा है कि जब कोई फिल्म आत्मविश्वास के साथ रिलीज होती है, तो उसके बाद जब आप कोई अगली फिल्म करते हैं, तो उसकी शूटिंग के दौरान कुछ नया ही देखने को मिलता है। जैसे हम धड़क 2 के लिए एक नेशनल कॉलेज में कॉलेज में शूट कर रहे थे, वह बहुत सारे लड़के थे। सिद्धांत ने मुझे बताया करता था कि पूरा कॉलेज ही दीवाना सा हो गया है। क्लासेस बंक हो रही हैं, लड़के क्लास में नहीं रहते हैं। सब मुझे देखने आते हैं।

धड़क 2 जैसी स्क्रिप्ट्स कम ही मिलती हैं...

करण जौहर सर का फोन आया था और उन्होंने शाजिया इकबाल का नाम लिया। फिर जब मैं पहली बार धड़क 2 को लेकर शाजिया इकबाल से मिली, तो कहानी सुनते ही उससे एक जुड़ाव महसूस हुआ। मुझे लगा कि यह वही कहानी है जिसे हर हाल में करना चाहिए। यह सोचने पर मजबूर करती है और ऐसी स्क्रिप्ट्स कम ही मिलती हैं। उस दिन से अब तक मैं शुक्रगुजार हूं कि इसका हिस्सा बन पाई।

मेरी पिछली फिल्में भी सराही गईं...

परफॉर्मेंस को लेकर आत्मविश्वास तो मुझमें काफी पहले से आ गया था, किस्मत से जब मेरा काम लोगों को पसंद आने लगा था। जब ऐसा कुछ होता है, तो आप बहुत आभारी महसूस करते हैं क्योंकि आप चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग आपकी फिल्में देखें, आपका काम देखें और एनिमल की वजह से भी ऐसा हुआ। एनिमल रिलीज होने के बाद यह हुआ कि लोगों ने मेरा पिछला काम भी देखा। जिनमें बुलबुल, कला, लैला मजनू जैसी फिल्में शामिल हैं। मुझे लगता है कि यह एनिमल से मिला सबसे बड़ा उपहार था। बाकी कभी मौका मिला तो मैं कभी अलविदा न कहना की रीमेक करना चाहूंगी। वह मेरे दिल के बहुत करीब है। वैसे तो करण सर की हर फिल्म बेहद अलग होती है। वह कुछ सवालों के जवाब ढूंढ रही होती है। मैं ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहूंगी।

लंदन में परेशान हुईं आरजे महवश, शेयर किया बुरा अनुभव

आरजे महवश इन दिनों खूब सुर्खियों में हैं। वजह है उनकी निजी जिंदगी। दरअसल, महवश का नाम क्रिकेटर युजवेंद्र चहल से जोड़ा जा रहा है। दोनों के कथित डेटिंग की खबरें काफी वक्त से आ रही हैं। यहां तक कि इस वक्त दोनों साथ में लंदन में हैं, इसका संकेत भी महवश ने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दिया। महवश लंदन से लगातार अपनी स्टाइलिश फोटोज और वीडियो शेयर कर रही हैं। मगर, लंदन ट्रिप के दौरान उन्हें कुछ खराब अनुभव भी हुए हैं और अनुभव भी ऐसे हैं कि महवश ने लंदन जाने तक से तौबा कर ली है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया है कि लंदन में जाम और भीड़ से वे तंग आ गई हैं। ऊपर से वहां चोरी की घटनाएं भी होती हैं।

काम न हो तो कभी न आऊं इस जगह

महवश ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें लंदन की सडकों पर जाम देखा जा सकता है। इसके साथ आरजे महवश ने लिखा है, ये लंदन है भाई। ट्रैफिक जाम, भीड़, चोरी तो इतनी के कोई घड़ी, बैग, कंगन, नहीं पहन रहा और आज कल चाकू भी मार जा रहे हैं चोरी के साथ-साथ। काम ना हो तो मैं इस जगह कभी वापस ना आऊं!

धनश्री वर्मा से तलाक के बाद जुड़ा महवश से नाम

धनश्री वर्मा के साथ तलाक के बाद युजवेंद्र चहल का नाम महवश के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई बार साथ में स्पॉट किया गया है। हालांकि, डेटिंग की कथित खबरों पर अब तक चहल और महवश दोनों ने चुप्पी साध रखी है। हालांकि, अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दोनों अप्रत्यक्ष रूप से यह संकेत तो देते रहते हैं कि इनके बीच नजदीकियां हैं। देखना दिलचस्प होगा कि ऐसी अफवाहों पर दोनों कब चुप्पी तोड़ते हैं। बता दें कि चहल ने साल 2020 में धनश्री वर्मा से शादी की। 2025 में दोनों का तलाक हो गया है।

रश्मिका ने डियर डायरी परफ्यूम लॉन्च को बताया प्यार और जादू का संगम

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपना परफ्यूम ब्रांड डियर डायरी लॉन्च कर दिया है। जिसको लेकर उन्होंने बताया, कि वह इसको लंबे समय से लॉन्च करने के बारे में सोच रही थी। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने बताया कि वह लंबे समय से अपना परफ्यूम ब्रांड लॉन्च करना चाहती थी, क्योंकि परफ्यूम हमेशा- से ही उनके दिल के करीब रहा है। इसी को लेकर उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है, जिसमें वह अपने परफ्यूम को लिए नजर आ रही हैं। पोस्ट शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, सच कहूं तो इसे लॉन्च करने का विचार मेरे मन में काफी लंबे समय से था। परफ्यूम हमेशा मेरे दिल के करीब रहा है। छोटी-छोटी यादें ताजा करने वाली ये बोतलें, जिसे हम साथ लेकर चलते हैं, यह हमारे जीवन में कई निशान छोड़ जाते हैं। अपने परफ्यूम ब्रांड डियर डायरी को मार्केट में लाने के पीछे पूरी कहानी बताते हुए रश्मिका ने लिखा, एक छोटी सी सोच से लेकर ढेरों मीटिंग्स, कई मूडबोर्ड और बहुत सारे खूशबूदार परफ्यूम की टेस्टिंग, लंबी बातचीत तक, इसकी हर छोटी-छोटी बातें मायने रखती, हर कदम खास है। रश्मिका ने बताया कि इतनी मेहनत के बाद, उन्हें तीन परफ्यूम मिले, जिनके बारे में उन्हें लगा कि ये परफ्यूम उन्हें ब्रांड में रखना चाहिए। जिसकी खूशबू लोगों को पसंद आएगी। अभिनेत्री ने इससे पहले अपने फ्रेगरेंस ब्रांड के लॉन्च की घोषणा की थी। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने लिखा कि परफ्यूम ब्रांड डियर डायरी मेरे निजी जीवन के अनुभवों और विचारों से प्रेरित है।

एक्शन-ड्रामा से भरपूर नई वेब सीरीज के लिए शिवांगी वर्मा उत्साहित

तेरा इश्क मेरा फितूर, छोटी सरदारनी और बैडएस रविकुमार जैसे प्रोजेक्ट्स में काम कर चुकीं एक्ट्रेस शिवांगी वर्मा जल्द ही नई वेब सीरीज में नजर आएंगी, जिसका हिस्सा बनकर वह बेहद उत्साहित हैं। यह सीरीज हंगामा प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी और इसमें एक्शन, ड्रामा, प्यार और कई ट्विस्ट्स हैं। शिवांगी ने कहा, मैं इस नई सीरीज का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। मेरा किरदार बहुत ही मजेदार, मुश्किल भरा और चुनौतीपूर्ण है। मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं बता सकती, वरना कहानी का राज खुल जाएगा। यह सीरीज एक्शन, ड्रामा, प्यार और सरप्राइज से भरपूर है। आप देखकर हैरान होंगे कि एक लड़की मुश्किल हालात में क्या-क्या कर सकती है।

उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके लिए खास है। शिवांगी ने बताया, मैं हमेशा से वेब सीरीज की फैन रही हूं। यह एक्टिंग का ऐसा माध्यम है, जो भावनाओं और किरदार के विकास को गहराई से दिखाने का मौका देता है। जब मुझे इस कहानी के बारे में बताया गया, तो मैं बहुत उत्साहित हो गई। यह किरदार वैसा ही है, जैसा मैं निभाना चाहती थी - मजेदार और सरप्राइज से भरा। शिवांगी ने को-एक्टर्स की तारीफ करते हुए कहा कि शानदार टीम के साथ काम करना इस प्रोजेक्ट को और बेहतर बनाता है। उन्होंने बताया, जब आपके साथ टैलेंटेड और अनुभवी कलाकार हों, तो स्क्रीन पर केमिस्ट्री साफ दिखती है। यह पूरी सीरीज को खास बना देता है। उन्होंने अपनी भूमिका के बारे में बताने से इनकार किया, हालांकि थोड़ा हिंट देते हुए कहा, मेरा लुक ग्लैमरस और आकर्षक है। यह सीरीज एक मसाला जॉनर है, जिसमें हर तरह का मनोरंजन है।

अपनी डेब्यू फिल्म से रातोंरात स्टार बने ये चेहरे, फिल्म इंडस्ट्री से नहीं है परिवार का नाता

बॉलीवुड में ऐसी कई अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने अपनी पहली फिल्म से ही दर्शकों का दिल जीत लिया और रातोंरात स्टार बन गईं। खास बात यह है कि इन सितारों का फिल्म इंडस्ट्री से कोई पारिवारिक नाता नहीं रहा है। अपनी मेहनत, टैलेंट और किस्मत के दम पर इन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाई।

अनीत पड्डा- सैयारा

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म सैयारा दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। इस फिल्म को मोहित सूरी ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा ने अहम भूमिका निभाई है। यह एक रोमांटिक फिल्म है। अनीत ने फिल्म सैयारा से बतौर लीड एक्ट्रेस कदम रखा है। हालांकि अनीत पहले काजोल की फिल्म सलाम वेंकी में नजर आ चुकी हैं। अनीत का फिल्म इंडस्ट्री से कोई सीधा संबंध नहीं है। उन्होंने अपने दम पर इस मुकाम को हासिल किया। उनकी खूबसूरती और नैचुरल एक्टिंग ने उन्हें तुरंत फैंस का चहेता बना दिया।

कृति सेनन-हीरोपंति

कृति सेनन ने फिल्म हीरोपंति से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में वह टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आईं। इन दोनों की केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया। कृति का परिवार फिल्म इंडस्ट्री से नहीं जुड़ा है, लेकिन उनकी खूबसूरती, डांस और एक्टिंग स्किल्स ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। हीरोपंति की सफलता के बाद कृति ने कई हिट फिल्में दीं, जिसमें बरेली की बर्फी, लुका छुपी, और मिमी शामिल हैं। आज कृति की गिनती बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में होती है।

दीपिका पादुकोण-ओम शांति ओम

दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम से बॉलीवुड में एंट्री की। इस फिल्म में उनकी मासूमियत और खूबसूरती ने दर्शकों को दीवाना बना दिया। दीपिका का फिल्म इंडस्ट्री से कोई पारिवारिक कनेक्शन नहीं रहा है। दीपिका ने अपनी मेहनत और एक्टिंग के दम पर बॉलीवुड में अपनी जगह बनाई। ओम शांति ओम की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद दीपिका ने पद्मावत, बाजीराव मस्तानी, और पीकू जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया। आज वह न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बना चुकी हैं।

दिशा पाटनी-एम एस धोनी

दिशा पाटनी ने 2016 में फिल्म एम एस धोनी - द अनटोल्ड स्टोरी से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस बायोपिक फिल्म में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई। दिशा का परिवार भी फिल्म इंडस्ट्री से नहीं जुड़ा है, लेकिन उनकी खूबसूरती और स्क्रीन प्रजेंस ने उन्हें तुरंत फैंस का फेवरेट बना दिया। इस फिल्म की सफलता के बाद दिशा ने बागी 2, भारत, और मलंग जैसी फिल्मों में काम किया। उनकी फिटनेस, डांस और स्टाइल ने उन्हें युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय बनाया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।